NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 16 अंकः 33 लखनऊ, बुधवार 23 सितंबर 2026 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

25 साल पहले भारत ने कैसे अमेरिकी प्रतिबंधों को किया बेअसर!

एजेंसी। दिल्ली। भारत को वाशिंगटन के आर्थिक और तकनीकी दबाव का सामना करना पड़ रहा हो। ठीक 25 साल पहले (1998 में), भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को न केवल बेअसर किया, बल्कि वाशिंगटन को अपनी नीति बदलने पर भी मजबूर कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शंस बिल (Lindsey Graham Sanctions Bill) पर हस्ताक्षर करने के बाद एक बार फिर भारत पर अमेरिकी प्रतिबंधों का खतरा मंडराने लगा है। यह विधेयक अमेरिकी प्रशासन को रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100: तक टैरिफ लगाने की शक्ति देता है। भारत अपनी जरूरत का आधा से अधिक कच्चा तेल रूस से आयात करता है, जिससे भारतीय निर्यात के लिए अमेरिका जैसे सबसे बड़े बाजार में कड़ी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।हालाँकि, यह पहला मौका नहीं है जब भारत को वाशिंगटन के आर्थिक और तकनीकी दबाव का सामना करना पड़ रहा हो। ठीक 25 साल पहले (1998 में), भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को न केवल बेअसर किया, बल्कि वाशिंगटन को अपनी नीति बदलने पर भी मजबूर कर दिया था।यह कहानी 1990 के दशक के आखिर की है, जब भारत बड़े बदलाव के दौर से

गुजर रहा था। देश अपनी लंबे समय से रुकी हुई अर्थव्यवस्था को तेजी से उदार बना रहा था और दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोल रहा था। मजबूत विदेशी निवेश और प्ज व सर्विस सेक्टर की ग्रोथ की वजह से आर्थिक विकास तेजी से हो रहा था। ग्लोबल मंच पर, नई दिल्ली का कभी हर मौसम का साथी रहा USSR इतिहास बन चुका था, और भारत पश्चिम, खासकर अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा था।फिर 1998 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की सरकार ने नई दिल्ली पर प्रतिबंधों का एक पैकेज लागू किया। इसमें लगभग सभी तरह की विदेशी मदद, आर्थिक सहायता, सैन्य सहयोग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर रोक लगा दी गई, ताकि भारत के परमाणु शक्ति बनने के इरादों को रोका जा सके। लेकिन अगर इन प्रतिबंधों का मकसद नई दिल्ली को वॉशिंगटन की बात मानने पर मजबूर करना था, तो वे नाकाम रहे। 22 सितंबर 2001 को राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटा दिया। 11 मई 1998 को दोपहर 3.45 बजे, राजस्थान के पोखरण में भारतीय सेना की फायरिंग रेंज में 'ऑपरेशन शक्ति' (जिसे 'ऑपरेशन पोखरण–II' भी कहा जाता है) के तहत जमीन के नीचे तीन परमाणु धमाके किए गए। इसके कुछ ही समय बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने घोषणा की कि भारत अब पूरी तरह से परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गया है। लेकिन जहाँ इन टेस्ट्स की खबर से बुद्ध के चेहरे पर मुस्कान आ सकती थी, वहीं वॉशिंगटन डीसी में हालात बिल्कुल अलग थे। भारत के न्यूक्लियर क्लब में शामिल होने की खबर से अमेरिका पूरी तरह हैरान रह गया और उसकी प्रतिक्रिया अविश्वास और गुस्से वाली थी। अमेरिकी विदेश विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, तत्कालीन राष्ट्रपति क्लिंटन ने कहा था कि वे 'न्यूक्लियर टेस्ट्स से बहुत परेशान' थे और ये टेस्ट 'एक सुरक्षित 21वीं सदी बनान' के लक्ष्य के खिलाफ थे।क्लिंटन ने आगे कहा, 'भारत का यह कदम न केवल इस इलाके की स्थिरता के लिए खतरा है, बल्कि यह बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले हथियारों के प्रसार को रोकने की मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहमति को भी सीधे तौर पर चुनौती देता है।इसलिए अमेरिका की प्रतिक्रिया तय थी, और यह 13 मई, 1998 को सामने आई।

विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने में युवा निभाएं सक्रिय भूमिका, सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को लिखी पाती

संवाददाता। लखनऊ। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आगामी 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे श्उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शोश के चौथे संस्करण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम एक भावपूर्ण पाती (पत्र) लिखी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, नवोदित उद्यमियों और व्यापारियों से इस वैश्विक मंच का भरपूर लाभ उठाने और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी, तब सबसे पहली प्राथमिकता रोजगार सृजन की थी। उत्तर प्रदेश को श्बीमारू प्रदेशश की छवि से बाहर निकालकर 'उत्सव प्रदेश' और विकास के पथ पर अग्रसर बनाना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों, 'एक जनपद–एक उत्पाद' (ODOP) योजना और डैडम् सेक्टर को दिए गए प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में 4 करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। ODOP की अभूतपूर्व सफलता से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने अब 'एक ग्राम पंचायत–एक उत्पाद' (ODOC) जैसी नई पहल भी शुरू की है। मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक मंच मिले, हमारे कारीगरों, उद्यमियों और अन्नदाताओं की मेहनत को दुनिया पहचाने, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख श्ग्रोथ इंजनश बन चुका है। उत्तर प्रदेश की भागीदारी देश के कुल निर्यात में अब 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक

हो चुकी है।यूपी में देश–विदेश से निवेशक आ रहे हैं और राज्य का निवेश लक्ष्य 15 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। साल 2023 में शुरू हुआ 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सीधे वैश्विक खरीदारों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से युवाओं, छात्रों और भावी उद्यमियों का आह्वान किया कि वे ट्रेड शो में पहुंचकर नए संपर्कों, नए बाजारों और अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसरों की तलाश करें।सीएम योगी ने संदेश दिया– आपके प्रयासों से ही हमारी स्थानीय सामर्थ्य वैश्विक बाजार तक पहुंचेगी। उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढ़ाकर अपने आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानें और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर व विकसित बनाने के संकल्प को पूरा करें।

अयोध्यां के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी 105 तक पहुंची, अखिलेश यादव ने बीजेपी को घेरा

संवाददाता।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटनाएं बढ़कर 105 हो गई हैं और इसमें बीजेपी शामिल है। यह बयान ऐसे समय आया है जब कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी सुप्रीम कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि शुरुआती जांच में राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटनाएं बढ़कर 105 हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक न्यूज रिपोर्ट की हेडलाइन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए इस गड़बड़ी में बीजेपी के शामिल होने का आरोप लगाया। यादव ने श्ग्श पर कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की शुरुआती सतही जांच में भी यह आंकड़ा 70 से बढ़कर 105 हो गया है। उन्होंने इस घटना को बेहद निंदनीय बताया और कहा कि चोरी की घटनाएं ब्ब्ज्ट कैमरों में कैद हुई हैं। प्रमुख का यह आरोप उस घटना के एक दिन बाद आया है जब चंदे में कथित हेराफेरी की जांच कर रही कोर्ट की बनाई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह 25 सितंबर या उससे पहले अपनी पहली चार्जशीट दाखिल करेगी। यादव ने हिंदी में किए गए अपने पोस्ट में यह भी आरोप लगाया कि यह चोरी सरकारी देखरेख में धार्मिक फंड की हेराफेरी के बराबर है और दावा किया कि अयोध्या में हर जगह ठश्रच नेताओं और उनके साथियों की इसमें मिलीभगत की चर्चा हो रही है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ध ार्मिक कार्यों के लिए चंदा देने वाले भक्तों के साथ धोखा हुआ है और कहा कि इस मुद्दे ने सनातन धर्म को मानने वालों को गहरी चोट पहुंचाई है। यादव ने BJP पर जनता का भरोसा खोने का भी आरोप लगाया और कहा कि इस कथित घटना से उत्तर प्रदेश, देश और विदेश में पार्टी की

बदनामी हुई है। SP प्रमुख ने BJP के खिलाफ राजनीतिक आह्वान करते हुए कहा कि अगला चुनाव धर्म को बचाने की लड़ाई से कम नहीं होगा और यह नारा दिया कि अब BJP के खिलाफ धर्म युद्ध होगा। 403 सदस्यों वाली UP विधानसभा के चुनाव 2027 में होने हैं। जून के पहले हफ्ते में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी का मामला सामने आया। इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई और उसे शुरुआती तौर पर जांच के लिए 15 दिन का समय दिया। 23 जून को ैप्ज की शुरुआती रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद, 25 जून को FIR दर्ज की गई और आठ आरोपियों – अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव – को गिरफ्तार किया गया।

जमुई मामले पर तेजस्वी यादव का हमला, सम्राट चौधरी से मांगा इस्तीफा

एजेंसी।

पटना बिहार। राजद नेता तेजस्वी यादव ने जमुई में नाबालिग छात्रों के साथ हुई घटना को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस्तीफे की मांग की है। तेजस्वी ने उनके पुराने बयान की याद दिलाते हुए कहा कि राज्य में महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी गठबंध ान के लोग इस घटना को सही ठहराने का प्रयास कर रहे हैं।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने जमुई में दो नाबालिग छात्राओं के साथ हुई घटना को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि वीडियो से पता चलता है कि राज्य में महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। यादव ने चौधरी के उस पुराने बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर मुंगेर में किसी को कोई नुकसान पहुँचता है, तो वे इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।यादव ने कहा कि बिहार सरकार की पूरे देश में आलोचना हो रही है। चौधरी की पुरानी बातों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी ने खुद पहले कहा था, श्मुंगेर जाइए... अगर किसी के साथ कुछ होता है या किसी को नुकसान पहुँचता है, तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूँ। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने कहा कि आज यह वीडियो दिखाता है कि बिहार में महिलाएं और लड़कियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं... चाहे दिन हो या रात, घर हो या सड़क, कॉलेज हो या स्कूल, या फिर अस्पताल। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ अपराध जिस तरह से बढ़ रहे हैं, वह बेहद शर्मनाक है।इसके बाद यादव ने चौधरी को सीधे चुनौती दी कि वे अपने पहले दिए गए बयान पर कायम रहें। उन्होंने कहा कि अगर सम्राट चौधरी अपनी बात पर कायम हैं, तो हिम्मत हो तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे अपनी कही बात पर कायम नहीं रह सकते, तो ऐसे डींगें हांकने वाले मुख्यमंत्री का कोई मतलब नहीं है। यादव ने उस वीडियो का भी जिक्र किया और सत्ताधारी गठबंधन के सदस्यों की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आप सभी ने वीडियो देखा होगा, और दुख की बात यह है कि सत्ताधारी गठबंध ान के लोग इसे सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं।सोशल मीडिया पर जमुई का एक वीडियो वायरल होने के बाद इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया आई। वीडियो में कुछ लोगों का एक ग्रुप दो नाबालिग छात्रों को परेशान करता हुआ दिख रहा था। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 19 सितंबर को हुई थी, जब 10वीं क्लास की एक छात्रा और उसका एक लड़का दोस्त कोचिंग क्लास के बाद उस इलाके में गए थे। वे टू–व्हीलर से लौट रहे थे, तभी कथित तौर पर लोगों के एक ग्रुप ने उन्हें रोक लिया।

मोहनलालगंज में रोडवेज बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से टकराई, पांच घायल

लखनऊ(आरएनएस)। मोहनलालगंज में मंगलवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने रोडवेज बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे में बस चालक, परिचालक समेत पांच लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा।पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11 बजे सूचना मिली कि बैंक ऑफ बड़ौदा, मोहनलालगंज के सामने सड़क दुर्घटना हुई है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि रोडवेज बस संख्या यूपी 34 टी 7928 लखनऊ से फतेहपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान तकनीकी कारणों से बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे में बस चालक हरिओम निवासी फतेहपुर, परिचालक मुकेश कुमार निवासी कानपुर देहात तथा यात्री बांसदेव निर्मल निवासी लालगंज, रायबरेली, अतुल सिंह निवासी रायपुर, लालगंज, रायबरेली और अशोक कुमार निवासी ऐशबाग, लखनऊ घायल हो गए।सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बस चालक हरिओम और यात्री बांसदेव निर्मल की हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल रेफर किया गया। वहीं अन्य घायल उपचार के बाद अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा और दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ग्रीन गैस के नाम पर एपीके फाइल भेजकर साइबर ठगी, क्राइम ब्रांच ने जारी की चेतावनी

लखनऊ(आरएनएस)। क्राइम ब्रांच लखनऊ की ओर से ऑपरेशन डिजिटल कवच के तहत साइबर अपराध के नए तरीकों को लेकर लगातार जन–जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्रीन गैस के नाम पर मीटर या बिल अपडेट कराने के बहाने एपीके फाइल भेजकर की जा रही साइबर ठगी को लेकर आमजन को विशेष रूप से सतर्क किया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक लगातार जागरूकता और सलाह जारी किए जाने के बावजूद इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। कमिश्नरेट लखनऊ में ऐसे मामलों में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी प्रकाश में आई है। पुलिस ने नागरिकों से स्वयं सतर्क रहने के साथ परिवार, मित्रों, पड़ोसियों, आरडब्ल्यूए और परिचितों को भी इस धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करने की अपील की है।पुलिस के अनुसार साइबर अपराधी एसएमएस, फोन कॉल या व्हाट्सऐप के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं और खुद को ग्रीन गैस का प्रतिनिधि बताते हैं। मीटर या बिल अपडेट नहीं होने अथवा गैस कनेक्शन बंद किए जाने की बात कहकर तत्काल कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जाता है। इसके बाद मीटर अपडेट या ग्रीन गैस मीटर अपडेट के नाम से एपीके फाइल भेजकर उसे मोबाइल में स्थापित करने के लिए कहा जाता है। ऐसी फाइल स्थापित होने के बाद अपराधियों को मोबाइल तक दूरस्थ पहुंच मिल सकती है और बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाली जा सकती है।जांच में यह भी सामने आया है कि अपराधी ग्रीन गैस उपभोक्ताओं से संबंधित उपलब्ध जानकारी का इस्तेमाल कर उन्हें निशाना बना रहे हैं। इसी तरह की धोखाधड़ी की जानकारी आगरा के ग्रीन गैस उपभोक्ताओं के साथ भी सामने आई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति द्वारा नाम, पता अथवा ग्रीन गैस कनेक्शन से संबंधित जानकारी बता दिए जाने मात्र से उसकी पहचान को वास्तविक न माना जाए।ग्रीन गैस के नाम से कोई कॉल या संदेश प्राप्त होने पर घबराकर अथवा दबाव में आकर तत्काल कोई कार्रवाई न करें। संदेश में दिए गए मोबाइल नंबर या लिंक के बजाय स्वयं ग्रीन गैस के अधिकृत माध्यमों से जानकारी की पुष्टि करें। इसके लिए ग्रीन गैस ग्राहक सेवा नंबर 6390905003, अधिकृत जीजीएल एंगेज एप और अधिकृत ग्राहक सेवा ईमेल बनेजवउमतबंतम. साव/हहसवदसपदम.दमज का इस्तेमाल किया जा सकता है। कंपनी की ओर से अधिकृत एसएमएस पहचान ळळस्च्छळ– बताई गई है।क्राइम ब्रांच ने नागरिकों से कहा है कि किसी अज्ञात स्रोत से मिली एपीके फाइल डाउनलोड या स्थापित न करें और संदिग्ध एसएमएस या व्हाट्सऐप लिंक पर क्लिक न करें। मीटर या बिल अपडेट के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर भुगतान न करें। ओटीपी, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी, सीवीवी, पिन अथवा बैंकिंग संबंधी कोई जानकारी किसी से साझा न करें। किसी अनजान व्यक्ति को मोबाइल की स्क्रीन साझा करने या दूरस्थ पहुंच देने से भी बचें। गैस कनेक्शन बंद किए जाने की धमकी अथवा किसी अन्य दबाव में आकर तत्काल निर्णय न लें।पुलिस ने लोगों से संदिग्ध कॉल या संदेश की जानकारी अधिकृत ग्राहक सेवा, अधिकृत एप या ईमेल के माध्यम से स्वयं सत्यापित करने की अपील की है। संदिग्ध एपीके फाइल या लिंक को आगे प्रसारित न करें और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों सहित परिवार एवं परिचितों को इस धोखाधड़ी के बारे में जागरूक करें। संदिग्ध साइबर गतिविधि की सूचना क्राइम ब्रांच संगठित अपराध हेल्पलाइन 7839861034 पर दी जा सकती है। आर्थिक साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करने की अपील की गई है।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने ग्रीन गैस कंपनी के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक उपभोक्ता जागरूकता अभियान शुरू करने की बात कही है। ग्रीन गैस कनेक्शन वाले क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए के साथ स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, समय–समय पर उपभोक्ताओं को सामूहिक संदेश भेजकर जानकारी देने तथा आवासीय क्षेत्रों में उद्घोषणा के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित करने की योजना है। उपभोक्ताओं को केवल अधिकृत ग्राहक सेवा नंबर, एप और ईमेल के माध्यम से जानकारी सत्यापित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आरडब्ल्यूए परिसरों के बाहर और शहर के प्रमुख चौराहों पर जागरूकता संबंधी बैनर व पोस्टर भी लगाए जाएंगे।क्राइम ब्रांच ने साइबर ठगी की रकम से बिल भुगतान के नाम पर होने वाली गतिविधियों को लेकर भी लोगों को सावधान किया है। जांच में सामने आया है कि कुछ मामलों में साइबर अपराध से प्राप्त रकम का इस्तेमाल क्रेडिट कार्ड, बिजली और इंटरनेट बिल आदि के भुगतान में किया जा रहा है। इसके बदले कम रकम में बिल भुगतान कराने या कमीशन के लालच में संबंधित व्यक्ति को नकद धनराशि दी जाती है। पुलिस ने लोगों से ऐसे किसी प्रस्ताव को स्वीकार न करने और किसी अनजान व्यक्ति से अपने बिजली, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट या अन्य बिल का भुगतान न कराने की अपील की है। पुलिस के अनुसार ऐसी व्यवस्था साइबर अपराध की रकम को खपाने का माध्यम हो सकती है। यदि जांच में किसी व्यक्ति की भूमिका साइबर अपराध की रकम के बारे में जानकारी या संदेह होने के बावजूद उसके इस्तेमाल अथवा सहयोग में पाई जाती है तो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरन यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच लखनऊ द्वारा ऑपरेशन डिजिटल कवच के तहत ग्रीन गैस के नाम पर हो रहे साइबर फ्रॉड के संबंध में लगातार व्यापक जन–जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ग्रीन गैस कंपनी के साथ समन्वय कर जागरूकता अभियान को और व्यापक बनाया जा रहा है। सामने आए मामलों की गहन जांच के साथ साइबर अपराधियों के तौर–तरीकों का विस्तृत विश्लेषण भी किया जा रहा है। क्राइम ब्रांच की ओर से इस संबंध में जागरूकता पोस्टर भी जारी किया गया है। लोगों से अपील की गई है कि पोस्टर को अपने मोबाइल में सुरक्षित रखें और परिवार, मित्रों, परिचितों, पड़ोसियों तथा आरडब्ल्यूए समूहों में अधिक से अधिक साझा करें, ताकि समय रहते साइबर धोखाधड़ी से बचाव किया जा सके। पुलिस ने कहा कि साइबर जागरूकता ही बचाव है।

जनता दर्शन में केशव मौर्य ने सुनीं फरियादें, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने एक–एक फरियादी से संवाद कर उनकी शिकायतों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित, प्रभावी, समयबद्ध एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और दिव्यांगजनों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। भूमि एवं राजस्व विवाद, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली–पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामले प्रमुख रूप से सामने आए। उप मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण करने के बजाय उनका वास्तविक और संतोषजनक समाधान कराया जाए, ताकि पीड़ितों को अपनी समस्या के लिए बार–बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आम लोगों से सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए सरकार को जमीनी स्तर पर लोगों की वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनके समाधान के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने कहा कि लोग परेशान न हों, उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा और पात्र लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न सुविधाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। जनहित सर्वोच्च है और प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक की समस्या के समाधान तथा पात्र लोगों को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। जिन मामलों में मौके पर जाकर जांच या निरीक्षण की आवश्यकता हो, उनमें अधिकारी स्वयं अथवा टीम गठित कर मौके पर जाएं और वास्तविक स्थिति की जांच के बाद प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों में उप मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को राजस्व तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों का नियमानुसार सार्थक समाधान कराया जाए। उत्पीड़न और भूमि पर अवैध कब्जे से जुड़े प्रकरणों में विशेष गंभीरता बरतते हुए आवश्यकतानुसार नियमानुसार कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।जनता दर्शन के दौरान केशव प्रसाद मौर्य ने महिलाओं, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं का स्थायी और संतोषजनक समाधान कराना है। उन्होंने उपस्थित फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनता के प्रति संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ काम करते हुए यह सुनिश्चित करें कि जनता दर्शन में अपनी समस्या लेकर आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश होकर वापस न लौटे।

लखनऊ पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न कानून का प्रशिक्षण

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में लखनऊ कमिश्नरेट के विभिन्न थानों पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानून के प्रावधानों का प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा के निर्देशन में 22 सितंबर को विशेष प्रशिक्षण शाखा की ओर से रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित संगोष्ठी सदन में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण, रोकथाम एवं निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अमित कुमावत के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध शाहिदा नसरीन के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को महिलाओं से संबंधित शिकायतों के प्रति संवेदनशील, उत्तरदायी और विधिसम्मत कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना रहा। कार्यशाला में कमिश्नरेट लखनऊ के विभिन्न थानों पर नियुक्त कुल 108 पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया।प्रशिक्षण के दौरान प्रमाणित प्रशिक्षण विशेषज्ञ तजीन फातिमा ने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण से संबंधित विधिक एवं प्रक्रियात्मक जानकारी दी। पुलिसकर्मियों को अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, महिलाओं की शिकायतों पर निर्धारित प्रक्रिया और समय–सीमा तथा शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की जानकारी दी गई।

प्रयागराज की आकांक्षा पाण्डेय भारतीय प्रतिभा श्री सम्मान से सम्मानित

नई दिल्ली में द कोड च्वाइसेज आफ डेकोरस इवेंटष् एवं ष्आउरा ब्लिट्ज इवेंट स्टूडियोष् के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन

प्रयागराज। नई दिल्ली में ष्द कोड च्वाइसेज आफ डेकोरस इवेंटष् एवं ष्आउरा ब्लिट्ज इवेंट स्टूडियोष् के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भारतीय प्रतिभा श्री सम्मान. में देश के अलग–अलग राज्यों से अलग–अलग क्षेत्र के प्रतिभावान और सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। जिसमे प्रयागराज की आकांक्षा पाण्डेय स्पिरिचुअल के लिए अपने समय की मशहूर अभिनेत्री और पूर्व सांसद जयाप्रदा के द्वारा भारतीय प्रतिभा श्री समन से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि आकांक्षा पांडेय स्पिरिचुअल क्षेत्र में ष्आकांक्षा गायत्रीष् के नाम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव करने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम मे आयोजन प्रमुख मुख्तार अंसारी ने आये हुए प्रतिभाओं, अतिथियों एवं मुख्य अतिथि अभिनेत्री ध पूर्व सांसद जयाप्रदा का अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त किया।भारतीय प्रतिभा श्री सम्मान पाने वाली प्रयागराज की थआकांक्षा गायत्री डिवाइन लाइट फैमिली की डायरेक्टर और फाउंडर होने के साथ ही सर्टिफाइड टैरोट रीडर, रेकी ग्रैंड मास्टर, क्रिस्टल हीलर, न्यूमैरोलॉजिस्ट, एंजेलिक हीलर और लाइफ कोच काउंसलर हैं। पहले भी इन्हे अनेको सम्मान से सम्मानित किया जा चूका है। इनके इंस्टाग्राम पर 150I के फॉलोअर हैं जहां यह लोगों के जीवन में आए हुए सकारात्मक बदलाव के फीडबैक भी अपडेट करती रहती हैं।

स्कार्पियो ने दो भाइयों को मारी टक्कर, एक की मौके पर मौत

दूसरे ने अस्पताल में तोड़ा दम, स्कॉर्पियो और ड्राइवर पुलिस हिरासत में

प्रयागराज। खीरी थाना क्षेत्र में सोमवार रात लेड़ियारी तुलसी मोड़ के पास एक बेकाबू स्कार्पियो ने दो भाइयों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे भाई ने इलाज के दौरान जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार खीरी थाना क्षेत्र के धोबहट मजरा खोंचा गांव के रहने वाले 73 वर्षीय भगवान प्रसाद तिवारी और 71 वर्षीय माधो प्रसाद तिवारी पुत्रगण स्व. रामसूरत तिवारी एक कार्यक्रम में शामिल होने कोरांव गए थे। वे करपिया गांव में दयाशंकर मिश्रा के यहां द्वार पूजन में शामिल हुए थे। कार्यक्रम से लौटते समय दोनों भाई अलग–अलग साइकिल से अपने घर जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भगवान प्रसाद तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई। माधो प्रसाद तिवारी के दाहिने पैर की हड्डी टूट गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने भगवान प्रसाद तिवारी के शव को कब्जे में लेकर खीरी थाने भेज दिया। घायल माधो प्रसाद तिवारी को एंबुलेंस से कोरांव सीएचसी पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां देर रात उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने लेड़ियारी मंडी तिराहे से स्कॉर्पियो गाड़ी और उसके चालक को पकड़ लिया है। मंगलवार सुबह 8 बजे परिजन माधो प्रसाद तिवारी का शव लेकर खीरी थाने पहुंचे। पुलिस ने उनके शव को भी पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से परिवार में मातम छा गया है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

शिक्षा निदेशालय के गेट पर बैरिकेड लगाकर छात्रों को पुलिस ने रोका

मेन गेट पर ही छात्रों ने किया नारेबाजी के साथ प्रदर्शन

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली बहाली की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। शिक्षा निदेशालय का दोबारा घेराव करने पहुंचे छात्रों को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया। जिसके बाद सभी अभ्यर्थी निदेशालय के मुख्य द्वार पर ही नारेबाजी के साथ प्रदर्शन करने लगे।ज्ञात हो कि सोमवार दोपहर से ही पुरानी नियमावली बहाली की मांग को लेकर अभ्यर्थी निदेशालय परिसर में डेरा डाले हुए हैं और पूरी रात धरना–प्रदर्शन किया। मंगलवार सुबह जब छात्र दोबारा एकजुट होने लगे, तो प्रशासन ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक लिया। इसके बाद गेट पर ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। कुछ लोग परिसर के भीतर और ज्यादातर छात्र बाहर ही प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि अनशनकारी साथी अंदर हैं और हमें बाहर ही पुलिस ने रोक लिया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन अपनी मांग रखने से भी वंचित करना चाहता है।अभ्यर्थियों ने साफ कहा कि वे पीछे नहीं हटेंगे और मांग पूरी नहीं होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा। ज्ळज्–च्ळज् अभ्यर्थी पुरानी नियमावली और पुराने परीक्षा पैटर्न के आधार पर अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 20 हजार खाली

पदों पर भर्ती की मांग को लेकर 31 अगस्त से आंदोलनरत हैं। वहीं 5 सितंबर से शुरू हुआ आमरण अनशन अब तक लगातार चल रहा है।

प्रतिभा प्रदर्शन से छात्रों ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

प्रयागराज। मलाक बलऊ स्थित ऐक्सेस इंटरनेशनल सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विभिन्न गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपनी रचनात्मकता, अनुशासन और प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यार्थियों के प्रदर्शन की विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों ने सराहना की।इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक– शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ–साथ उनकी प्रतिभा को निखारना भी आवश्यक है। विद्यालय की चेयरमैन नूपुर गुप्ता और प्रबंधक योगेन्द्र गुप्ता ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने

कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उसे सही दिशा और अवसर देने की। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और मेहनत को – जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान – किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय परिवार की ओर से प्रतिभागी विद्यार्थियों को आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राजकीय यूनानी मेडिकल कालेज में इंस्टीटूशनल एथिक्स कमेटी का आयोजन

प्रयागराज। स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, प्रयागराज में प्राचार्य डॉ. वसीम अहमद के संरक्षण में अहमद हुसैन उस्मानी ऑडिटोरियम में पोस्ट ग्रेजुएट बैच 2025 के स्कॉलर्स के प्रस्तावित शोध परियोजनाओं के सिनॉप्सिस की प्रस्तुति हेतु इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के पीजी स्कॉलर्स ने अपने प्रस्तावित शोध विषयों, उद्देश्यों, शोध पद्धति एवं अपेक्षित परिणामों के संबंध में समिति के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीजी स्कॉलर्स के शोध कार्य को वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप बेहतर बनाना, शोध में नैतिक सिद्धांतों के पालन को सुनिश्चित करना तथा रोगियों, मानव प्रतिभागियों एवं चिकित्सकीय जानकारी से संबंधित शोध कार्यों में निर्धारित नैतिक नियमों के अनुपालन के संबंध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना था। समिति के विशेषज्ञ सदस्यों ने प्रस्तुत किए गए सिनॉप्सिस का विस्तृत अवलोकन करते हुए शोध पद्धति, विषय की उपयोगिता, वैज्ञानिक औचित्य, नैतिक पहलुओं, रोगियों के अधिकार, सूचित सहमति गोपनीयता तथा शोध की गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं आवश्यक संशोधन प्रस्तावित किए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वसीम अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि कॉलेज प्रशासन पीजी स्कॉलर्स के शोध की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। निदेशक यूनानी सेवाएं, उत्तर प्रदेश प्रोफेसर (डॉ.) जमाल अख्तर ने संस्थान की शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना की।

बैठक के दौरान पीजी स्कॉलर्स ने समिति के सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए तथा अपने शोध प्रोजेक्ट से संबंधित विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट किया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

डीएम ने लेबर अड्डे का किया निरीक्षण लेबर अड्डे पहुंचे डीएम, श्रमिकों से जानी समस्याएं

सुल्तानपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान थीम को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने दरियापुर ओवरब्रिज के नीचे स्थित लेबर अड्डे का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद श्रमिकों से बातचीत कर रोजगार की स्थिति और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लेबर अड्डे पर आने वाले श्रमिकों का पंजीकरण कराया जाए और पात्र श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा गया। प्रशासन ने पुराने श्रमिक स्थल को ध्यान में रखते हुए दरियापुर लेबर अड्डे का दोबारा संचालन शुरू कराया है। इसका उद्देश्य काम की तलाश में आने वाले श्रमिकों को एक स्थान पर रोजगार संबंधी जानकारी के साथ सरकारी सुविधाओं से जोड़ना है। श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर यहां मेडिकल कैंप आयोजित करने की भी तैयारी है। प्रस्तावित शिविर में एक्स–रे, मोबाइल एंबुलेंस और मोबाइल मेडिकल यूनिट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। जिला प्रशासन के मुताबिक लेबर अड्डे को भविष्य में स्थायी श्रमिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां श्रमिकों को रोजगार, पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं से संबंधित सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी।

लोको पायलटों का स्टेशन पर धरना, 36 घंटे में मुख्यालय वापसी समेत कई मांगें उठाईं

सुल्तानपुर। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लोको पायलटों ने विभिन्न मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन शाम चार बजे तक चला। कर्मचारियों ने विभाग की नई व्यवस्थाओं पर असंतोष जताते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। शाखा सचिव एसी मौर्य ने कहा कि लोको पायलटों की ड्यूटी पूरी होने के बाद उन्हें 36 घंटे के भीतर उनके मुख्यालय वापस भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए। लगातार दो नाइट ड्यूटी के बाद एक रात का आराम दिए जाने की मांग भी उठाई गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्टेशन का मैप तैयार करने के बजाय केवल जंक्शन और यार्ड का मैप तैयार किया जाना चाहिए। इसके अलावा मेमो ट्रेन में लागू सिंगल मैन वर्किंग व्यवस्था को लोको पायलटों के लिए परेशानी का कारण बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की गई। रेलवे कर्मचारियों ने बताया कि इन मांगों को लेकर लखनऊ रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर प्रदर्शन किया जा रहा है। चेतावनी दी गई कि यदि विभागीय स्तर पर समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो डीआरएम कार्यालय के सामने भी बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। धरने में इंद्रजीत कुमार, पवन यादव, सदानंद मौर्य, अमित कुमार, शशांक कुमार, अतुल मौर्य, कृष्णा कुमार, हरिकांत यादव, मनीष कुमार, सुरेश चंद्र, मंजीत यादव और सुनील कुमार समेत बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी मौजूद रहे।

जीआरपी में नव निर्मित बैरक का उद्घाटन

जौनपुर। थाना जीआरपी परिसर में मंगलवार को नव निर्मित पुलिस बैरक का उद्घाटन किया गया। समारोह में रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जौनपुर पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। नव निर्मित बैरक का उद्घाटन पुलिस महानिदेशक रेलवे, उत्तर प्रदेश श्री प्रकाश एन. द्वारा किया गया। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक रेलवे जोन प्रयागराज प्रशान्त वर्मा (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज तथा पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुँवर प्रभात सिंह (पीपीएस) की मौजूदगी रही।समारोह में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता और क्षेत्राधिकारी सदर सम्यक चौधरी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा सहायक मंडल अभियंता राजित राम (क्व्क्ष), जीआरपी जौनपुर के थानाध्यक्ष सुनील कुमार गोंड समेत जीआरपी का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।बैरक के निर्माण से जीआरपी में तैनात पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। उद्घाटन के दौरान अधिकारियों ने नव निर्मित बैरक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जौनपुर। इसराजी डिग्री कॉलेज, गुलजारगंज, जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की हेडिंग "आज जागरूकता, कल बेहतर स्वास्थ्य" रखी गई। कार्यक्रम में डॉ. अंजु कन्नौजिया, ने छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा लड़कियों से जुड़ी समस्याओं को लेकर समय रहते जानकारी और उचित चिकित्सकीय सलाह लेना महत्वपूर्ण है। छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, किसी भी समस्या को लेकर बिना झिझक चिकित्सक से बात करने तथा आत्मविश्वास के साथ अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं साझा करने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने पीसीओएस के सामान्य लक्षणों, जीवनशैली, खान–पान, व्यायाम तथा समय पर जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्राओं में पीसीओएस को लेकर जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना रहा।सेमिनार के दौरान छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी सवाल भी पूछे, जिनका डॉ. अंजु कन्नौजिया ने से समाधान किया।

उत्तराखंड में सेवारत म्यांमार की प्रोफेसर को बैंकॉक में मिला 13वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान,बौद्ध छात्राएं भी सम्मानित

विजडम इंडिया।

देहरादून / बैंकॉक, 16 अगस्त। उत्तराखंड में सेवारत म्यांमार की प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. डॉ. सॉ हतुत संदर को बैंकॉक, थाईलैंड स्थित रॉयल थाई एयर फोर्स के विफ्टर हॉल में यूनाइटेड पीस कीपर्स फेडरल काउंसिल (UNPKFC) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोह में ग्लोबल मदर इंस्पिरेशन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उनके लिए 13वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। पिछले कई वर्षों में उन्हें म्यांमार, भारत, थाईलैंड, नेपाल, भूटान और ताइवान से जुड़े संगठनों और संस्थानों द्वारा बौद्ध शिक्षा, शैक्षणिक अनुसंधान, मानवीय सेवा, नेतृत्व और शांति स्थापना में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

यह समारोह "माताएं लोगों को गढ़ती हैं, लोग शांति को गढ़ते हैं" (Mothers Shape People, People Shape Peace) के सार्थक विषय पर आयोजित किया गया था। इसमें विभिन्न देशों की प्रतिष्ठित महिलाओं, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मानवतावादी कार्यकर्ताओं और शांति समर्थकों ने भाग लिया।

उत्तराखंड में सेवारत प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. डॉ. सॉ हतुत संदर वर्तमान में रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय (RBBSU), देहरादून के महाप्रजापति गौतमी सुभारती स्कूल ऑफ बौद्ध स्टडीज (MGSSB) में प्रोफेसर और सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। वे कई वर्षों से भारत में बौद्ध उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सेवा दे रही हैं और भारतीय व अंतरराष्ट्रीय छात्रों का मार्गदर्शन कर रही हैं।

प्रो. डॉ. सॉ हतुत संदर को यह ग्लोबल मदर इंस्पिरेशन अवार्ड बौद्ध अध्ययन, उच्च शिक्षा,

बौद्ध स्टडीज तीसरे सेमेस्टर की छात्रा, को बौद्ध शिक्षा और निरंतर सीखने के प्रति उनके

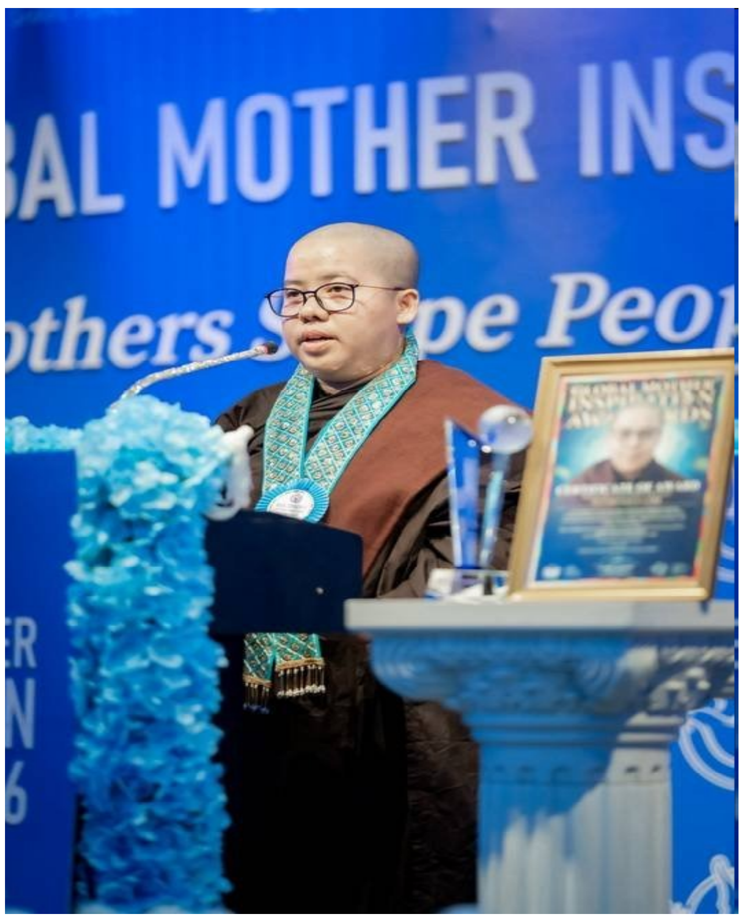

वे लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल में अतिथि प्रोफेसर, इंटरनेशनल बौद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन में धम्म सचिव, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया की मानद सदस्य और UNPKFC में म्यांमार के लिए कंट्री रिप्रेजेंटेटिव भी हैं।

उनका शैक्षणिक कार्य बौद्ध इतिहास, ध्यान, शिक्षा, नैतिक नेतृत्व, शांति और म्यांमार की बौद्ध संस्कृति पर केंद्रित है। उन्होंने कई पुस्तकें और शोध लेख लिखे हैं और भारत, नेपाल, थाईलैंड, वियतनाम, चीन सहित अन्य देशों में 40 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र और व्याख्यान प्रस्तुत किए हैं।

उन्होंने RBBSU और इंटरनेशनल बौद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नागार्जुन विश्वविद्यालय, म्यांमार में धम्मदूत चेकिंदा विश्वविद्यालय और न्ह्व्न्न्ह्य सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मानवीय सेवा के प्रति प्रतिबद्धता

सामाजिक कल्याण, मानवीय राहत और शांति को बढ़ावा देने में उनके निरंतर योगदान के लिए दिया गया।

विश्वविद्यालय की जिम्मेदारियों के अलावा, उन्होंने 2014 में म्यांमार में अशोक वेलफेयर फाउंडेशन की स्थापना की। इस फाउंडेशन ने आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के लिए एक मुफ्त क्लिनिक की स्थापना की और दूरदराज व आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा देखभाल, शैक्षिक सहायता और राहत कार्यक्रम आयोजित किए।

उनकी मानवीय गतिविधियों में हजारों मरीजों के लिए स्वास्थ्य सहायता, म्यांमार में बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए सहयोग और नेपाल में भूकंप पीड़ितों व स्कूली बच्चों के लिए सहायता शामिल है।

बैंकॉक समारोह में प्रो. डॉ. सॉ हतुत संदर ने जोर दिया कि शिक्षा को न केवल ज्ञान बल्कि करुणा, नैतिक जिम्मेदारी और दूसरों के प्रति सम्मान भी विकसित करना चाहिए।

बौद्ध छात्राएं भी सम्मानित

इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में MGSSBS और RBBSU से जुड़ी तीन बौद्ध छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

– नन पिन्यार वदी, एम.ए.

समर्पण के लिए इंटरनेशनल बुद्धिस्ट लाइफलॉन्ग लर्निंग अवार्ड मिला।

– नन कुसला चारी, एम. ए. बौद्ध स्टडीज तीसरे सेमेस्टर की छात्रा, को सामाजिक कल्याण और मानवीय सेवा में उनके योगदान के लिए डिस्टिंग्विश्ड ह्यूमैनिटेरियन एंड कम्युनिटी सर्विस अवार्ड मिला।

– इसके अलावा, MGSSB के 2024–26 बैच के एम.ए. बौद्ध स्टडीज स्नातक भिक्षु विनय को संगठन के प्रति उनकी उदारता, प्रतिबद्धता और योगदान के लिए UNPKFC से प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी यह पहचान रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, महाप्रजापति गौतमी सुभारती स्कूल ऑफ बौद्ध स्टडीज और उत्तराखंड के व्यापक शैक्षणिक समुदाय के लिए गर्व का क्षण बताया गया।

अपना 13वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने पर आभार व्यक्त करते हुए प्रो. डॉ. सॉ हतुत संदर ने यह पुरस्कार अपने शिक्षकों, सहयोगियों, छात्रों और बौद्ध शिक्षा व सामाजिक सेवा में उनके साथ काम करने वाले सभी लोगों को समर्पित किया।

ग्रामीणों का प्रदर्शन रोड नहीं तो वोट नहीं

जौनपुर। जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के जगदीशपुर में सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया। ग्रामीणों ने पोस्टर लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया और जिम्मेदारों के खिलाफ विरोध जताते हुए "रोड नहीं तो वोट नहीं" के नारे लगाए। बदहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पोस्टर लेकर विरोध जताया । ग्रामीणों का आरोप है कि जगदीशपुर की सड़क लंबे समय से खराब हालत में है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

तकनीकी सहायकों ने किया प्रदर्शन

जौनपुर । कलेक्ट्रेट में मंगलवार को मनरेगा तकनीकी सहायक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सतीश चंद्र सिंह के नेतृत्व में दो दर्जन से ज्यादा सहायकों ने प्रदर्शन की चेतावनी दी। उन्होंने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जिला प्रशासन को एक पत्र सौंपा। सहायकों ने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे 28 सितंबर से लखनऊ के इको गार्डन में धरना देंगे। जिलाध्यक्ष सतीश सिंह ने बताया कि पिछले पांच सालों से तकनीकी सहायकों के मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ी है। इस बारे में संगठन ने कई बार सरकार और ग्राम विकास विभाग को बताया है, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इन कर्मचारियों ने बताया कि वे फील्ड में काम करते हैं। उन्हें अनुमान लगाने के साथ ग्राम पंचायतों में चल रहे कामों की रोज निगरानी भी करनी पड़ती है। इसमें हर महीने औसतन 6,000 रुपये पेट्रोल पर खर्च हो जाते हैं। मनरेगा और विकसित भारत गारंटी योजनाएं केंद्र और राज्य सरकार की बहुत जरूरी योजनाएं हैं। इससे लाखों कुशल और अकुशल मजदूरों को रोजगार मिलता है। गांवों में स्थायी संपत्ति भी बनती है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण लोगों को फायदा होता है।तकनीकी सहायकों का कहना है कि इतना जरूरी काम करने के बावजूद वे खुद को शोषित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि उनका मानदेय बढ़ाकर जूनियर इंजीनियर के मूल वेतन 45,000 रुपये प्रति माह किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 26 सितंबर तक उनकी समस्या का हल नहीं निकला, तो सभी तकनीकी सहायक 28 सितंबर से इको गार्डन में धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान पंकज सिंह, अजय सिंह, शिव शंकर मौर्या, वंदना सिंह, अमरेंद्र सिंह, दिनेश पाण्डेय, अतुल सिंह, सभाजीत, शैलेश कुमार सिंह और जय प्रकाश यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्कूली वाहन के धक्के से मासूम की मौत

जौनपुर । केराकत क्षेत्र के पचवर गांव में मंगलवार सुबह स्कूली वाहन की टक्कर से चार वर्षीय आरव गोड़ की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब आठ बजे घर के पास हुआ। वाहन की चपेट में आने से आरव गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आरव अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। दो बेटियों के बाद बेटे के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल था। हादसे के बाद परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। मौत की खबर मिलते ही मां ज्योति गोड़ का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों के मुताबिक, वह कई बार बेसुध हो गईं। पिता सुनील कुमार गोड़ और परिवार के अन्य सदस्य भी बच्चे का शव देखकर फूट–फूटकर रोते रहे। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्कूली वाहन को कब्जे में ले लिया और बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे की परिस्थितियों और वाहन चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

खरीफ फसलों के रोग एवं उनसे बचाव के उपाय

जौनपुर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने अवगत कराया है कि किसान वर्तमान में तापमान में उतार–चढ़ाव से खरीफ फसलों में कीटरोग लगने की संभावना है कीटरोगों से बचाव हेतु सलाह दी जाती है कि अपने खेत की सतत् निगरानी करते हुये फसल में निम्नानुसार लक्षण दिखाई देने पर दिये गये विवरण के अनुसार बचाव कार्य करें। अरहरध्धान का पत्ती लपेटकः– पीले रंग की सूड़िया पौधे की चोटी की पत्तियों को लपेटकर सफेद जाला बना लेती हैं और उसी में छिपी पत्तियों को खाती हैं और बाद में फूलों, फलों को नुकसान पहुचाती हैं। इनसे बचाव हेतु क्लोरपाइरीफास 20 प्रतिशत ई0सी0 1.250 लीटर प्रति हे0 की दर से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। धान का तना छेदकः– इस कीट की पूर्ण विकसित सूड़ी हल्के पीले रंग के शरीर तथा नारंगी पीले रंग की सिर वाली होती है जो फसल के लिये हानिकारक है। इनके आक्रमण के फलस्वरूप फसल के वानस्पतिक अवस्था में मृतगोभ तथा बाद में प्रकोप होने पर सफेद बाली बनती है। इनके नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 0.3 प्रतिशत की 20.000 कि0ग्रा0 या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 प्रतिशत दानेदार चूर्ण 17.18 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। धान की पत्तियों का भूरा धब्बाः– पत्तियों पर गहरे कत्थई रंग के गोल अण्डाकार धब्बे दिखाई देते हैं तथा इन धब्बों के चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा बन जाता है जो इस रोग का विशेष लक्षण है। इसके उपचार हेतु मैंकोजेब 75 प्रतिशत या जिनेब 75 प्रतिशत रसायन को 2 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर की दर से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। धान का शीथ झुलसाः– पत्तियों के निचले भाग पर अनियमित आकार के धब्बे बनते हैं जिनका किनारा गहरा भूरा तथा बीच में हल्के रंग का होता है। इसके उपचार हेतु कार्बेण्डाजिम 50 प्रतिशत एक कि0ग्रा0 या कार्बेण्डाजिम 500 ग्राम और मैंकोजेब 75 प्रतिशत रसायन 250 ग्राम मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।धान का जीवाणु झुलसाः– पत्तियों की नोक और उनके किनारे सूखने लगते हैं और किनारे अनियमित एवम् टेढ़े–मेढ़े हो जाते हैं। लक्षण दिखते ही नत्रजन की टाप ड्रेसिंग रोक देनी चाहिये और उपचार कार्य हेतु कापरआक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत ड्ब्लू0पी0 500 ग्राम और स्ट्रेप्टोमाइसीन सल्फेट 90 प्रतिशत टेट्रासाइक्लीन हाइडोक्लोराइड 10 प्रतिशत की 15 ग्राम मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। उर्दधमूंग का पीला चित्रवर्ण रोगः– पत्तियों पर सुनहरे पीले चकत्ते पड़ने लगते हैं और रोग की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पीली पड़ जाती है।

लेखपालों का अतिरिक्त हलकों के काम का बहिष्कार

जौनपुर । मड़ियाहूं में लेखपालों ने मंगलवार को अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर अतिरिक्त हलकों के काम का बहिष्कार कर दिया। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में लेखपालों ने तहसील सभागार में अतिरिक्त हलकों के बस्ते रजिस्ट्रार कानूनगो जय प्रकाश उपाध्याय को सौंप दिए।इससे पहले शनिवार को लेखपाल संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार और महामंत्री शिवशंकर यादव के नेतृत्व में एसडीएम को मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया था। इसमें लेखपालों ने 22 सितंबर से अपने मूल हल्के का काम करते हुए आंतरिक हलकों के बस्ते तहसील या राजस्व निरीक्षक कार्यालय में जमा करने की बात कही थी। साथ ही भविष्य में ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी भी दी गई थी। लेखपालों का कहना है कि लगातार बढ़ते काम के बोझ, संसाधनों की कमी, लंबित पदोन्नति, वेतन में अंतर, अतिरिक्त हलकों की जिम्मेदारी और छुट्टियों में ड्यूटी के कारण काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मोटरसाइकिल भत्ता 1,500 रुपए प्रतिमाह करने, विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए और स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 रुपए करने की मांग की है। इसके अलावा अंतर मंडलीय स्थानांतरण और चयन वर्ष 2025–26 की पदोन्नति सूची जारी करने की मांग भी रखी गई है। लेखपालों ने वर्ष 2024 में नियुक्त लेखपालों के विभागीय परीक्षा परिणाम और प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। साथ ही भूलेख समेत अन्य सहायक पटल से जुड़े काम कर रहे लेखपालों को इन जिम्मेदारियों से हटाने की बात कही।लेखपालों ने ग्राम सचिवालयों में अलग कमरा, फर्नीचर, सुरक्षित रिकॉर्ड रूम, कंप्यूटर, इंटरनेट, बिजली, पानी और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एक लेखपाल के पास चार से पांच गांव होने के कारण आईजीआरएस, आय–जाति–निवास प्रमाण पत्र, वरासत और पैमाइश जैसे काम समय से पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे निम्नलिखित बी.एन. वाई.एस. के अंकपत्र दिनांक 03/04/2026 कोटरा सैंटर क्षेत्र में खो गए हैं–

1. 'आदित्य नेगी ' – BNYS 2022 बैच, RBBSU देहरादून

वर्ष – 2023–24 (2nd)

किसी को मिले तो कृपया RBBSU, प्रेमनगर, देहरादून में जमा कर दें। यह सूचना डुप्लीकेट मार्कशीट बनवाने हेतु दी जा रही है।

धन्यवाद।

ओम प्रकाश राजभर ने मोदी का नाम लेकर कर दिया बड़ा दावा, क्या वाकई यूपी के चार टुकड़े होने वाले हैं?

देवरिया और अंबेडकरनगर में दिए गए अपने बयानों में ओम प्रकाश राजभर ने प्रधानमंत्री मोदी से कथित बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि जातीय जनगणना के बाद राज्य के पुनर्गठन में कोई दिक्कत नहीं रहेगी। राजभर ने जिन चार हिस्सों की बात की, उनमें पूर्वांचल, मध्यांचल, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश शामिल हैं।उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी मौसम अभी पूरी तरह चढ़ा भी नहीं है, लेकिन सियासी चौपाल पर ऐसा मुद्दा उछल गया है, जिसकी गूंज लखनऊ से लेकर दिल्ली तक सुनाई दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश चार हिस्सों में बंटेगा और जातीय जनगणना के बाद इस दिशा में रास्ता साफ हो जाएगा। इतना ही नहीं, राजभर ने पूर्वांचल के अलग राज्य बनने पर उसके पहले मुख्यमंत्री के तौर पर अपने समाज के व्यक्ति का दावा भी ठोक दिया। देवरिया और अंबेडकरनगर में दिए गए अपने बयानों में ओम प्रकाश राजभर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कथित बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि जातीय जनगणना के बाद राज्य के पुनर्गठन में कोई दिक्कत नहीं रहेगी। राजभर ने जिन चार हिस्सों की बात की, उनमें पूर्वांचल, मध्यांचल, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वांचल में राजभर समाज का बड़ा वोट आधार है, इसलिए अलग राज्य बनने पर पहला मुख्यमंत्री राजभर समाज का बेटा होगा। उल्लेखनीय है कि यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है।देखा जाये तो राजभर ने सिर्फ राज्य के नक्शे पर लकीर खींचने की बात नहीं की है बल्कि उस लकीर के पार सत्ता की कुर्सी पर भी अपना सामाजिक दावा रख दिया है। यही वजह है कि यह मामला महज प्रशासनिक पुनर्गठन की बहस नहीं रह जाता, बल्कि उत्तर प्रदेश की जातीय और क्षेत्रीय राजनीति के बीच सीधा उतर जाता है।मायावती ने 2011 में चलाई थी बड़ी चाल वैसे राजभर ने कोई नया कुआं नहीं खोदा है। उत्तर प्रदेश को छोटे राज्यों में बांटने की मांग दो दशक से ज्यादा समय से अलग–अलग रूपों में उठती रही है। सबसे ठोस पहल नवंबर 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती की सरकार ने की थी। तत्कालीन विधानसभा ने उत्तर प्रदेश को पूर्वांचल, बुंदेलखंड, अवध प्रदेश और पश्चिम प्रदेश में बांटने का प्रस्ताव पारित किया था। मायावती सरकार का तर्क था कि इतने विशाल राज्य में प्रशासन और विकास को प्रभावी ढंग से चलाना कठिन है और छोटे राज्य क्षेत्रीय जरूरतों पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया, लेकिन आगे मामला नहीं बढ़ा। 2014 में केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि 2011 का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था, राज्य सरकार से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई थी, लेकिन उस समय उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वह जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और केंद्र के पास उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं था।पश्चिम से पूर्वांचल तक अलग–अलग सुर यह भी उल्लेखनीय है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग राज्य या हरित प्रदेश की मांग भी पुरानी है। राष्ट्रीय लोक दल के संस्थापक अजित सिंह समेत कई नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए अलग राज्य की वकालत की थी। गन्ना, खेती, कारोबार, उद्योग और दिल्ली की नजदीकी को इसके पक्ष में प्रमुख तर्कों के तौर पर रखा जाता रहा है। मगर पूर्वांचल की कहानी अलग है। यहां समर्थक कहते रहे हैं कि विशाल आबादी, आर्थिक पिछड़ापन, रोजगार के लिए पलायन और लखनऊ से दूरी के कारण क्षेत्र को अलग प्रशासनिक इकाई मिलनी चाहिए। बुंदेलखंड के लिए भी अलग राज्य की मांग लंबे समय से उठती रही है, लेकिन उसकी पेचीदगी यह है कि प्रस्तावित क्षेत्र उत्तर प्रदेश के साथ–साथ मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है। देखा जाये तो मोटे तौर पर पुराने प्रस्तावों में पश्चिम प्रदेश में पश्चिमी और कुछ मध्य–पश्चिमी जिलों का बड़ा हिस्सा, अवध प्रदेश में मध्य क्षेत्र, बुंदेलखंड में झांसी, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट जैसे जिले तथा पूर्वांचल में वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश का बड़ा इलाका शामिल रहा है। इन सीमाओं को लेकर अलग–अलग प्रस्तावों में फर्क भी रहा है। सवाल सिर्फ नक्शे का नहीं, नीयत और व्यवस्था का भी है छोटे राज्यों के समर्थकों का तर्क है कि छोटा प्रशासन ज्यादा चुस्त होगा, क्षेत्रीय समस्याओं पर सरकार की पकड़ बढ़ेगी और विकास की प्राथमिकताएं स्थानीय जरूरतों के हिसाब से तय की जा सकेंगी। विरोध में यह सवाल भी उठता है कि क्या केवल राज्य छोटा कर देने से गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और क्षेत्रीय असमानता खत्म हो जाएगी? नए राज्यों के गठन के साथ राजधानी, विधानसभा, उच्च न्यायालय, सरकारी कर्मचारियों, संपत्तियों, कर्ज, राजस्व और संस्थानों के बंटवारे जैसी बड़ी प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियां भी सामने आती हैं। आखिरी फैसला लखनऊ नहीं, संसद करेगी यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संविधान का अनुच्छेद 3 साफ करता है कि नए राज्य का गठन, मौजूदा राज्य की सीमा या क्षेत्र में बदलाव का अधिकार संसद के पास है। ऐसा विधेयक राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना संसद में पेश नहीं किया जा सकता। प्रभावित राज्य की विधानसभा से उसके विचार मांगे जाते हैं, लेकिन उसकी सहमति अनिवार्य नहीं है। यानी अगर कभी उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की वास्तविक प्रक्रिया शुरू होती है तो मामला लंबी संवैधानिक और राजनीतिक प्रक्रिया से होकर गुजरेगा। बहरहाल, फिलहाल ओम प्रकाश राजभर ने उत्तर प्रदेश की सियासत में पुरानी चिंगारी पर फिर से फूंक मार दी है। अब देखना यह है कि यह सिर्फ चुनावी मौसम की गरमागरम हुंकार बनकर रह जाती है या सचमुच उत्तर प्रदेश के नक्शे पर नई लकीर खींचने की कवायद शुरू होती है। क्योंकि यूपी की राजनीति में एक बात बड़ी पुरानी है, यहां चुनाव आते ही मुद्दे सिर्फ उठते नहीं, कई बार पूरे भूगोल को ही हिला देने लगते हैं। राजभर के बयान पर प्रतिक्रियाएं आने भी लग गयी हैं। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने इसे चुनावी जुमला बताते हुए कहा है कि केंद्र या प्रदेश सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है, जबकि भाजपा नेता संजीव बालियान ने यूपी को चार हिस्सों में बांटने के विचार का समर्थन किया है। वहीं विपक्ष ने कहा है कि सत्ता पक्ष की ओर से ध्यान भटकाने के प्रयास हो रहे हैं ताकि मूल मुद्दों की ओर जनता का ध्यान नहीं जाये।

सम्पादकीय

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं?

फॉरेन करेंसी नॉन–रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर–बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार–चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है।

इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बढ़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशा जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए!

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस–एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है।

एस–एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस–एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस–एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग–अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक और परिणामोन्मुख बनाएगा मॉडलवित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस–एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस–एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा।केंद्र की एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था की तर्ज पर क्रियान्वयन

केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस–एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा।

भूमिगत संरचना का मानचित्रण संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के जरिए

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिजिकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल़डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ–साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे–जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा–मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है।

बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय–सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैंकृविशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू–भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन–कर्ताओं को बार–बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता हैरू नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआरदृराष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया हैरू मृदा आसूचना–आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स–रे दृष्टि प्रदान कर रहा हैकृयह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियांभारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाखा रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच–वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6त्न तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड–माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है।इन विशाल कार्यों में शामिल कई सरकारी और निजी एजेंसियांकृचाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेषण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही होंकृ सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक प्रारंभिक भू–तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम? अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम।कृषि–अवसंरचना संबंधआईसीएआर–एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना–अंतराल को एक प्रमाणित, समय–परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर स्थल–विशिष्ट भू–तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थू.ल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती।यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बहु–स्रोत भू–स्थानिक इनपुट पर मशीन–लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू–भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल–विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू–तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली–पूर्व लागत अनुमान के लिए सीधे किया जाता है। पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75त्न की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80त्न की पूर्वानुमान सटीकता (क्र□ मान लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है।वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयताइस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र–परीक्षण किया गया हैकृ उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु–गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसंरचना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट–किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ–साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है और भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा रहा है।अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अवसंरचना कंपनियों ने इस समाधान को अपनाया है। केईसी इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में पारेषण लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मृदा संबंधी आंकड़े वित्तीय अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। नींव संबंधी गतिविधियां और परियोजना जोखिम पूरी तरह से मृदा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व आधार पर मार्जिन में मामूली 0.1त्न की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है,

आज का राशिफल

मेष राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए ऑफिस में स्टाफ के साथ विचार–विमर्श कर सकते हैं।

वृष राशि

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में किसी बड़ी डील को फाइनल कर सकते हैं,

मिथुन राशि

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी बड़ी कंपनी में इन्वेस्ट करने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें,

कर्क राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तो आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे।

सिंह राशि

आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी बड़े काम को करने से पहले माता–पिता और गुरु का आशीर्वाद अवश्य ले लें।

कन्या राशि

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बनती दिख रही है।

तुला राशि

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें।

धनु राशि

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा।

मकर राशि

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा।

कुंभ राशि

आज आपका दिन खुशहाल बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, बॉस भी आपसे खुश नजर आएंगे।

मीन राशि

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखने की जरूरत है तथा किसी बात को लेकर ज्यादा जिद करने से भी बचना चाहिए।

बश्स की उपयोगिता, महत्व पर वन विभाग का एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

मड़िहान, मीरजापुर। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत वन विभाग द्वारा सोमवार को मड़िहान रेंज सभागार और बीएचयू बरकछा सभागार में नेशनल बेम्बू मिशन योजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमे ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने की दीगई जानकारी। कार्यशाला में डॉ. आरएस सिंह ने बताया कि बांस पर्यावरण के लिए बेहद उपयोगी है। यह कार्बन डाइऑक्साइड को तेजी से अवशोषित करता है और भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन देता है। कम सिंचाई में भी इसकी खेती संभव है। बांस से बनी कुर्सी, खिलौना, मोबाइल स्टैंड, घरेलू सामग्री सस्ती और टिकाऊ होती है। प्लास्टिक की सामग्री नष्ट होने पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है, जबकि बांस की सामग्री पर्यावरण को सुरक्षित रखती है। मुख्य अतिथि सेंट्रल फॉर इंडियन बेम्बू रिसोर्स एंड टेक्नोलॉजी की विशेषज्ञ एमएस के रत्ना ने बताया कि बांस का पौधा बारिश के पानी को सोखकर जल संरक्षण करता है। पूरे उत्तर प्रदेश में मात्र 02 प्रतिशत ही बांस है, जबकि मिर्जापुर की मिट्टी बांस उत्पादन के लिए सबसे उपयोगी है। बहराइच में 15 प्रजातियों का उत्पादन हो रहा है। बांस को बीज और टिश्यू कल्चर दोनों से उगाया जा सकता है। 05 वर्ष बाद बांस की कटाई जरूरी है ताकि नई पौध निकल सके।उन्होंने कहा कि बांस से सुंदर मकान, होटल, ग्रीन स्कूल, पेंसिल और फर्नीचर तक बनाया जा रहा है।प्लास्टिक की कुर्सी की अपेक्षा बांस की कुर्सी ज्यादा आरामदायक है। बांस की खेती किसानों के लिए एटीएम का काम करेगी।मिर्जापुर में कांटे वाले बांस की बाजार में भारी मांग है।बताया कि सेंटर की संस्था द्वारा किसानों को निःशुल्क बांस के पौधे और 03 साल तक देखभाल का खर्च दिया जाएगा। यूपी में दो प्रकार के बांस आसानी से उगाए जा सकते हैं। 2 फीट गड्ढा खोदकर मिट्टी, गोबर की खाद और रेत मिलाकर रोपाई करनी है। रोज 5 लीटर पानी देने पर एक साल में पौधा 25 से 30 फीट लंबा हो जाता है। उत्पादन बढ़ने पर क्षेत्र में फैक्ट्री भी लगाई जाएगी। वन विभाग के एसडीओ अभिषेक राय ने वन कर्मियों को निर्देश दिया कि गांव– गांव जाकर किसानों को बांस की उपयोगिता बताएं और उसकी खेती हेतु प्रेरित करे। इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी गिरिराज गोवधर्न गिरी, डीएस नेगी, सत्यप्रकाश वर्मा, श्रवण यादव, हिमांशु, राजकुमार, राजबहादुर, प्रभात भाष्कर, हरिश्चंद्र पटेल सहित बड़ी संख्या में महिला–पुरुष किसानों ने भाग लिया।

मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में 'एनीमिया मुक्त भारत' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

श्रावस्ती। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, भिनगा, श्रावस्ती में आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 ए0के0 सिंह की अध्यक्षता में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक एम्स गोरखपुर, यूनिसेफ एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम में जनपद श्रावस्ती का प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन है। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए, ताकि गुणवत्ता एवं प्रदर्शन को बनाए रखा जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्बन्धित को निर्देश दिए गए कि गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं तथा गैर–गर्भवती गैर–धात्री महिलाओं को आयरन की गोलियों का वितरण सुनिश्चित करने के साथ–साथ आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से उनके उपभोग की नियमित निगरानी भी की जाए। 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आयरन सिरप का वितरण कराते हुए समय से रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। डीवीडीएमएस पोर्टल के माध्यम से दवाओं की आपूर्ति तथा एचएमआईएस पोर्टल पर रिपोर्टिंग की गुणवत्ता को बनाए रखा जाए।

प्रभारी मंत्रीध्मा0 मंत्री औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग उ0प्र0 ने अष्टभुजा गेस्ट हाउस में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता

सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारियों पर भी की गई चर्चा

अधिकारियों के साथ बैठक कर जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने पर दिया बल

संगठन के बीच बेहतर समन्वय जन कल्याण का सबसे बड़ा मंत्र है। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 सरकार का लक्ष्य है कि केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री

वाले जनता जनार्दन की समस्याओं को भली–भांति सुने तथा उसका संतुष्टिपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति को रोस्टर के अनुसार करने का निर्देश दिया। जल जीवन मिशन के अधिकारियों को शत प्रतिशत गांवों में पेयजल

सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय ही जन कल्याण का सबसे बड़ा मंत्र – नन्द गोपाल गुप्ता श्नन्दीश्मीरजापुर 21 सितम्बर 2026 – प्रदेश के मा0 मंत्री औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग उ0प्र0 एवं जनपद के प्रभारी मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता श्नन्दीश ने अष्टभुजा निरीक्षण गृह के सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मा0 विधायकगण व पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जन हित से जुड़ी विभिन्न समस्याओंध्विषयों पर चर्चा की। बैठक में मा0 नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा जी, मा0 मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल जी, मा0 विधायक मझवां सुचिस्मिता मौर्या जी, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल जी, भाजपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज जी, नगर पालिका अध्यक्ष मीरजापुर श्याम सुंदर केशरी जी, भाजपा जिला महामंत्री रवि पांडे जी, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।प्रभारी मंत्री ने बैठक में सभी मा0 जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि सरकार और श्री नरेन्द्र मोदी जी राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों को समर्पित श्सेवा संकल्प अभियानश को जनपद में व्यापक जन भागीदारी और उत्साह के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने 25 वर्षों तक निस्वार्थ सेवा की है जो देश के लिए गौरव की बात है। मा0 प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल सरकारी अभियान न बनकर बल्कि जन उत्सव के रूप में मनाया जाए। 17 सितम्बर 2026 से प्रारम्भ होकर 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान को प्रत्येक विकास खण्ड, ग्राम पंचायत, नगर वार्ड आदि में उत्सव के रूप में आयोजित कर गांव–गांव में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने का कार्य किया जाए।मा0 मंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि आपस में बेहतर तालमेल बनाकर कार्य करें यदि कहीं किसी स्तर पर समस्याएं आ रही हैं तो उसे उच्च स्तर पर समय से अवगत कराया जाए ताकि त्वरित समाधान कराया जा सके। सेवा संकल्प अभियान को जनपद में व्यापक जन भागीदारी और उत्साह के साथ आयोजित करने की आगे की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। मा0 मंत्री ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने कार्यालयों में आने आपूर्ति के निर्देश देते हुए कहा कि आपूर्ति के समय यदि कहीं लीकेज व पाइप टूटने आदि की शिकायतें प्राप्त होती हैं तो उसका तत्काल समाधान किया जाए ताकि पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि वर्षा का मौसम समाप्त हो रहा है अतएव लोक निर्माण विभाग व अन्य कार्यदायी संस्थाएं अपने–अपने सड़कों को गड्ढामुक्ति अभियान के तहत निर्धारित समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों के द्वारा उठाए गए समस्याओं का ससमय निस्तारण सुनिश्चित किया जाए यदि किन्हीं कारणों से उसका निस्तारण नहीं हो सकता है तो कारण सहित उन्हें अवगत करा दें।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर महेन्द्र सिंह, लालगंज अजीत कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर व चुनार, तहसीलदार सदर दीक्षा पाण्डेय के अलावा भारतीय जनता पार्टी के नितिन विश्वकर्मा के अलावा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ डायोसेसन ट्रस्ट के प्रशासक बने पूर्व हाईकोर्ट न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह

एनसीएलटी इलाहाबाद बेंच ने प्रबंधन विवाद के बीच सभी प्रतिद्वंद्वी बोर्डों की शक्तियां निलंबित कीं

जॉन अगस्टीन ने लखनऊ डायोसिस (सी एन आई) को भ्रष्टाचार का गढ़ बताया, उन्होंने लखनऊ डायोसिस के अंतर्गत जितने भी जिले हैं सबका कच्चा चिटठा खोल दिया, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डायोसिस के

न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह

बिशप जॉन ऑगस्टीन

अंतर्गत आने वाले जिलों में अनियमितताओं और घोटालों का लंबा इतिहास रहा है। इसी के सन्दर्भ में उन्होंने कोर्ट में केस भी किया जिसके फलस्वरूप राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी), इलाहाबाद बेंच ने लखनऊ डायोसेसन ट्रस्ट एसोसिएशन के लंबे समय से चल रहे प्रबंधन विवाद के बीच उत्तराखंड हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह को एक वर्ष के लिए प्रशासक नियुक्त किया है। यह आदेश 16 सितंबर 2026 को न्यायिक सदस्य प्रवीण गुप्ता और तकनीकी सदस्य आशीष वर्मा की पीठ ने पारित किया।

ट्रस्ट के वैध प्रबंधन, सदस्यों और प्रतिनिधित्व को लेकर विभिन्न गुटों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। एनसीएलटी ने सभी प्रतिद्वंद्वी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और प्रबंधन का दावा करने वाले व्यक्तियों की शक्तियां तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी हैं।

वैधानिक अनुपालन और संपत्तियों की सुरक्षा

कंपनी रजिस्ट्रार, कानपुर की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट का अंतिम वार्षिक रिटर्न वर्ष 2011 में और अंतिम उपलब्ध बैलेंस शीट वर्ष 2008 में दाखिल की गई थी। प्रबंधन विवाद के कारण कंपनी 2 जुलाई 2012 से एमसीए पोर्टल पर 'प्रबंधन विवाद' श्रेणी में दर्ज है।

ट्रिब्यूनल ने 23 जनवरी 2018 के यथास्थिति आदेश को बरकरार रखते हुए ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, बंधक, लीज या किसी तीसरे पक्ष के अधिकार के सृजन पर बिना पूर्व अनुमति रोक जारी रखी है।

प्रशासक की जिम्मेदारियां

न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह ट्रस्ट के दैनिक कामकाज, बैंक खातों, दस्तावेजों और संपत्तियों की निगरानी करेंगे। उनकी जिम्मेदारियों में लंबित वैधानिक फाइलिंग पूरी करना, वैध सदस्यों एवं पदाधिकारियों की पहचान करना, वित्तीय और संपत्ति संबंधी दस्तावेजों की जांच करना तथा संपत्तियों के कथित हस्तांतरण की पड़ताल करना शामिल है।

प्रशासक को दो महीने के भीतर स्थिति रिपोर्ट और तीन महीने में प्रबंधन, संपत्तियों, वित्तीय लेनदेन एवं वैधानिक अनुपालन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। उन्हें कंपनी के कोष से 3 लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

एनसीएलटी ने स्पष्ट किया कि यह नियुक्ति अंतरिम व्यवस्था है और इससे किसी भी गुट को ट्रस्ट का अंतिम वैध प्रबंधन घोषित नहीं किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर 2026 को निर्धारित है।

पुल पर जाली लगाने से लेकर सड़कों और बिजली के तारों तक,नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने उठाए जनहित के मुद्दे

मीरजापुर।पुल पर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए नगर पालिका परिषद मीरजापुर के अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने जिलाधिकारी से वार्ता कर पुल पर जाली लगवाने की मांग की है।नपाध्यक्ष ने कहा कि पुल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने से ऐसी घटनाओं पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने में मदद मिलेगी। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि विकास प्राधिकरण या अन्य किसी मद से जल्द ही पुल पर जाली लगवाई जाएगी।इसके साथ उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी की कार्रवाई के बाद जल निगम भी सक्रिय हुआ है।अब जल निगम द्वारा तेजी के साथ कार्य कराया जा रहा है और कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चल रही समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है।इसके साथ ही प्रभारी मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी शहर में अव्यवस्थित बिजली के तारों को हटाकर उन्हें व्यवस्थित तरीके से एक ही तार वाली लाइन में करने तथा जर्जर और खराब सड़कों की स्थिति को जल्द दुरुस्त कराने का मुद्दा प्रभारी मंत्री के समक्ष रखा है।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि शहर की मूलभूत समस्याओं के समाधान और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों से लगातार बातचीत की जा रही है। सड़क, सीवर, बिजली और सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई हो, इसके लिए प्रशासन के स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं।

129 मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला पुरस्कार, खिले चेहरे

बस्ती । अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ द्वारा जिलाध्यक्ष राम मिलन प्रजापति के संयोजन में बड़े वन के निकट स्थित हरिगंगा मैरेजहाल में प्रतिभावान छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अशोक कुमार प्रजापति, विशिष्ट अतिथि पुरूषोत्तमनाथ प्रजापति, प्रोफेसर राम कोमल प्रजापति, डा. अनिल कुमार प्रजापति, डॉ. इन्द्रजीत प्रजापति, संजय कुमार प्रजापति, डा. अनिल प्रजापति, डा. उमाशंकर प्रजापति आदि ने कहा कि शिक्षा की वह मूल आधार है जिससे प्रजापति समाज की समस्याओं का हल निकलेगा। कहा कि अपने पाल्यों को शिक्षित अवश्य करें जिससे वे देश के सुयोग्य नागरिक बने। अतिथियों ने विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों से चयनित 129 मेधावी छात्र–छात्राओं को सन्तराम बीए प्रज्ञा सम्मान समारोह में मेडल और प्रमाण–पत्र, स्कूल बैग देकर उनका उत्साहवर्धन किया।मुख्य वक्ता दिनेश कुमार प्रजापति, अविनाश प्रताप प्रजापति, बलिहारी प्रजापति, जर्नादननाथ प्रजापति, कृष्ण कुमार प्रजापति, राम प्रसाद, राम सागर प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, शिवशंकर प्रजापति, करूणानिधान, डा. अमित प्रजापति, प्रो. अनिल कुमार प्रजापति, विजय कुमार प्रजापति, मीहीलाल प्रजापति, डॉ. शेषनाथ, पंकज प्रजापति, जय प्रकाश प्रजापति आदि ने प्रजापति समाज के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक मोर्चो पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि प्रजापति समाज के सबल लोग यदि जरूरतमंदों की मदद की दिशा में पहल करें तो समाज की नई पीढी को ताकत मिलेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक चन्द्रभान प्रजापति, नरसिंह प्रजापति, मुन्नीलाल प्रजापति, राम औतार प्रजापति आदि ने छात्रों का आवाहन किया कि जीवन में कितनी भी मुश्किलें आयें शिक्षा जारी रखें। संचालन हरिकेश प्रजापति और अध्यक्षता चुन्नीलाल प्रजापति ने किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से महेन्द्रनाथ प्रजापति, अमित प्रकाश प्रजापति, भगवानदीन प्रजापति, राम मूरत प्रजापति, कृष्ण कुमार प्रजापति, रामतेज प्रजापति, राजेश कुमार प्रजापति, वीरेन्द्र प्रताप नारायण, चन्द्रभान प्रजापति, पदुमनाथ, विजय प्रकाश, राजकुमार, अखिलेश, विकास, राममूरत, परशुराम, राजेन्द्र, हनुमान प्रसाद, सन्तोष प्रजापति, धर्मेन्द्र प्रजापति, मृत्युंजय कुमार प्रजापति, दिनेश कुमार, छविलाल प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार, आशुतोष प्रजापति, परशुराम प्रजापति, गजेन्द्र कुमार प्रजापति, मधुसूदन प्रजापति, विष्णुदत्त प्रजापति, अभिषेक प्रजापति, मेहीलाल, महिला प्रकोष्ठ से सभासद अमरावती प्रजापति, रेणुका प्रजापति, पूनम, जनक दुलारी, माधुरी, सुभावती, गरिमा, प्रतिष्ठा, सुषमा, प्रियंका, अनीता के साथ ही प्रजापति समाज के अनेक लोग शामिल रहे।

सत्संग में दिया नशा मुक्तिका संदेश

बस्ती। मुनीन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा बड़ेबन में विशाल सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आयोजन को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम के दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से संत रामपाल जी महाराज के सत्संग का प्रसारण किया गया। सत्संग में मानव जीवन के उद्देश्य, सच्ची भक्ति, सदाचार और आध्यात्मिक ज्ञान के विषय में सरल भाषा में मार्गदर्शन दिया गया।सत्संग के माध्यम से उपस्थित लोगों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया गया। नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर 20 लोगों ने नशा त्यागने और भविष्य में नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने ध्यानपूर्वक सत्संग सुना और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए बैठने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई थीं।क्षेत्र के लोगों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और लोगों को नशामुक्त एवं बेहतर जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है।मुनीन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से समय–समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान, सामाजिक सुधार और नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया जाता है।इस अवसर पर जिला कोऑर्डिनेटर लक्ष्मन दास, सालिकराम, अशोक दास, जितेन्द्र दास, बेचू दास, राधेश्याम दास, सुरेश दास, रामबहाल दास, लालता दास, शिव पूजन दास सहित कई सेवादारों ने योगदान दिया।

16 वर्षीय नाबालिग से जबरन शादी, मंदिर में रचाया ब्याह, 5 दिन से बहू बनाकर रखा, परिवार लगा रहा थाना पुलिस से फरियाद

मड़िहान, मीरजापुर। जिले मड़िहान थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर जबरन विवाह करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित मां ने थाने में लिखित तहरीर देकर आरोपी युवक और उसके परिजनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गुहार लगाई है।

पीड़िता ने तहरीर में बताया कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री क्षेत्र के ही एक विद्यालय में कक्षा 9 वीं की छात्रा है। आरोप है कि पड़ोस के 22 वर्षीय युवक ने उसकी पुत्री को बहला–फुसलाकर 5 दिन पहले चौबेपुर स्थित शिव मंदिर पर जबरिया विवाह करा लिया और उसी दिन से उसे अपने घर में बहू बनाकर रखे हुए है। पीड़िता ने बताया कि लगभग 3 माह पहले भी देर रात में उसकी पुत्री को आरोपी युवक के साथ सिवान में रंगे हाथों पकड़ा गया था। उस समय दोनों परिवारों ने समझा–बुझाकर किसी तरह दोनों को अलग कर दिया था। पीड़िता के पति लगभग एक माह पहले ही अहमदाबाद मजदूरी करने गए हैं और घर पर वह अकेली है। किशोरी की मां ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाते हुए पुत्री को वापस दिलाने और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मड़िहान थानाध्यक्ष रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हुई है। नाबालिग से जुड़ा मामला होने के कारण गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मांगी साफ-सफाई तो मिली धमकी हुई अभद्रता, आक्रोशित छात्रों ने किया प्रदर्शन

मीरजापुर। नगर भरुहना स्थित जीडी बिनानी कालेज के छात्रों ने प्राचार्य पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए। कालेज के छात्रों का आरोप है कि साफ सफाई की मांग करने पर उनके साथ न केवल अभद्रता की बल्कि कैरियर खराब कर देने की धमकी देते हुए पुलिस के बल पर छात्रों के हितो की अनदेखी करते हुए पद प्रभाव दिखाया गया। छात्रों ने बताया कि कालेज में साफ सफाई सहित कई मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। जिससे प्राचार्य आक्रोशित हो उठे हैं। सोमवार को छात्र प्राचार्य से वार्ता करने पहुंचे तो कॉलेज के कई अध्यापकों द्वारा छात्र नितिन तिवारी का कॉलर पकड़ के घसीट के वहां से उन्हें बाहर निकाला गया और उनके साथियों को ये आश्वासन भी दिया गया कि तुम लोगों के ऊपर मुकदमा लिखेंगे, तुम लोग आतंकवादी हो, तुम लोग गुंडे हो।आक्रोशित छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि प्राचार्य छात्रों के सामने आकर वार्ता नहीं करते हैं तो सभी छात्र एकजुट होकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठने के लिए विवश होंगे। ठ। विनतजी`मउमेजमत के छात्र नितिन तिवारी ने बताया कि प्राचार्य गलत शब्दों का प्रयोग किये, यहां तक कि बोला गया कि मैं देखता हूं कि तुम लोग इस कॉलेज कैंपस में कैसे रहते हो। यहां तक कि धमकी दे दिया गया है कि तुम लोगों का तमेनसज मैं खराब कर दूंगा, बंतममत तक नहीं बचने दूंगा। अन्य छात्रों ने आरोप लगाया कि हमने कालेज की समस्याओं को बताया, साफ सफाई की बात की लेकिन हुआ उल्टा है, हद तो यह है कि हम लोग प्राचार्य जी से वार्ता करने पहुंचे तो कॉलेज के कई अध्यापकों द्वारा छात्रों का कॉलर पकड़ के घसीट के वहां से मुझे बाहर निकाला गया साथियों को ये चेतावनी दी गई कि तुम लोगों के ऊपर मुकदमा लिखेंगे, तुम लोग आतंकवादी हो, तुम लोग गुंडे हो। छात्रों के आक्रोश और मुख्य गेट पर धरना शुरू कर देने से कालेज सहित पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा रहा है। छात्रों को मनाने का प्रयास चलता रहा है। वहीं दूसरी तरफ कालेज प्रशासन का कहना रहा कि छात्रों की न्योचित मांगों को पूरा करने को कहा गया था लेकिन कुछ छात्रों द्वारा छात्र परंपरा से हटकर बरताव किया गया।

विंध्याचल धाम बिहार के मंत्री पहुंचे विंध्याचल देवी धाम किया दर्शन-पूजन

मीरजापुर। बिहार राज्य के लोकनिर्माण मंत्री सोमवार को विंध्याचल देवी धाम पहुंचे। उनके विंध्याचल आगमन पर पं. रत्नाकर मिश्र नगर विधायक विंध्यधाम मीरजापुर ने उन्हें मां की चुनरी भेंट करते हुए उनका स्वागत किया। इस दौरान नगर भाजपा विधायक रत्नाकर मिश्र ने कुमार शालेंद्र सड़क निर्माण मंत्री बिहार सरकार को मां विंध्यवासिनी देवी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

शहर से लेकर प्रमुख मार्गो पर लाइलाज बना जाम का झाम, आम जनमानस फंसकर हो रहा बेहाल

मीरजापुर। शहर से लेकर प्रमुख मार्गों पर जाम का झाम बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को जाम के झाम में घण्टो से एम्बुलेंस फंसी रही, लेकिन क्या मजाल उसे रास्ता मिल जाए और वह अपने गंतव्य की ओर रवाना हो पाएध् यह दृश्य देखने को मिला है शीतला मंदिर तिराहा पर जहां लंबा जाम लगा रहा है और राहगीर परेशान होते रहे हैं। नटवा से शीतला मंदिर तिराहा पर जाम लगे होने से मरीज को लेकर जा रही एम्बुलेंस भी उसी जाम में फंस होने से एम्बुलेंस चालक और तीमारदार को हलकान और परेशान देखा गया है।

इंसाफ आफलाइन, धमकियां अश्नलाइन! सोशल मीडिया पर अश्लीलता और जान से मारने की धमकी का आरोप

मीरजापुर। कभी कहा जाता था कि अपराधी अंधेरे का सहारा लेते हैं, लेकिन अब आरोप है कि कुछ लोग मोबाइल स्क्रीन की रोशनी में ही जिंदगी अंधेरी करने पर उतर आते हैं। लालगंज थाना क्षेत्र के सहजी गांव की एक 23 वर्षीय अनुसूचित जाति की महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना–पत्र देकर गांव के ही एक युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना–पत्र के अनुसार महिला का आरोप है कि आरोपी ने पहले दबाव और लालच देकर उससे संबंध बनाए। महिला का यह भी दावा है कि पहले इस मामले में थाने में शिकायत हुई थी, लेकिन बड़े लोगों की मध्यस्थता के बाद समझौता करा दिया गया और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसका मोबाइल अपने कब्जे में लेकर उसकी सिम से फर्जी आईडी बना ली और सोशल मीडिया के जरिए अश्लील फोटो, अभद्र संदेश तथा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करनी शुरू कर दी। महिला का कहना है कि उसके परिवार की अन्य लड़कियों की तस्वीरें भी साझा कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 15 सितंबर 2026 की रात करीब 10 बजे आरोपी ने गांव के कई लोगों के मोबाइल पर गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी वाले संदेश भेजे। महिला का कहना है कि उसके पास इन धमकियों की रिकॉर्डिंग मौजूद है और वह लगातार मानसिक तनाव में है। उसने आशंका जताई है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उसके साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। कि आजकल कुछ लोगों को लगता है कि कानून की सबसे लंबी छुट्टी शायद इंटरनेट पर चलती हैकृजहां फर्जी आईडी बनाना आसान है, बदनाम करना और भी आसान, लेकिन शिकायत करने वाले को न्याय मिलने की राह सबसे कठिन दिखाई देती है। सवाल यही है कि डिजिटल हथियारों से किए जाने वाले कथित उत्पीड़न पर कार्रवाई की रफ्तार भी क्या कभी मोबाइल नेटवर्क जैसी तेज होगी?पीड़िता ने एसपी से मांग की है कि लालगंज थाना पुलिस को साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं। फिलहाल यह मामला शिकायत के आधार पर दर्ज आरोपों का है और पुलिस की जांच के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 23 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

विश्व नदी दिवस 27 सितंबर को जल संरक्षण पर आयोजित होगा सेमिनार

आजमगढ़ (आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व नदी दिवस–2026 के अवसर पर 27 सितंबर 2026 को प्रस्तावित 'नदी की बात–जन–जन के साथ' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।बैठक में लोक दायित्व न्यास, आजमगढ़ के केंद्रीय संयोजक डॉ. पवन कुमार ने अवगत कराया कि लोक दायित्व द्वारा विश्व नदी दिवस–2026 के अवसर पर जनपद आजमगढ़ में 'नदी की बात–जन–जन के साथ' अभियान के अंतर्गत व्यापक नदी एवं जल–संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम तथा प्रदर्शनी का आयोजन हरिऔध कला केंद्र में किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को नदियों, तालाबों, पोखरों, कुओं एवं अन्य जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही जल संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मूल संदेश 'हमारी नदी–हमारा दायित्व' है। इसका उद्देश्य नदी एवं जलस्रोतों के संरक्षण को केवल पर्यावरणीय विषय तक सीमित न रखते हुए इसे जनजीवन, कृषि, भूजल, जैव–विविधता, लोकसंस्कृति तथा भावी पीढ़ियों के भविष्य से जोड़ना है। इसके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और स्थानीय स्तर पर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।

जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि यह आयोजन मात्र एक दिवस का औपचारिक कार्यक्रम न होकर 'आजमगढ़ की जल–स्मृति, वर्तमान जल–स्थिति और भविष्य की जल–दृष्टि' को एक मंच पर लाने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जलस्रोतों, नदियों, जल संरक्षण से जुड़ी परंपराओं, स्थानीय अनुभवों एवं वर्तमान जल–स्थिति से संबंधित जानकारी को संकलित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त स्थानीय अध्ययन, जन–सुझाव एवं जलस्रोतों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को संकलित कर भविष्य में 'आजमगढ़ जल–अभिलेख–2026' एवं 'आजमगढ़ जल एटलस' के रूप में विकसित करने का भी संकल्प है। इससे जनपद की जल–संपदा, जलस्रोतों की स्थिति तथा जल संरक्षण से जुड़े स्थानीय प्रयासों का व्यवस्थित दस्तावेज तैयार करने में सहायता मिलेगी।जल संरक्षण को जन–अभियान का स्वरूप देने पर जोरबैठक में मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाए। विद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए नदी एवं जल संरक्षण के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाए।उन्होंने कहा कि जल संरक्षण आज की आवश्यकता के साथ–साथ आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। स्थानीय नदियों और जलस्रोतों के संरक्षण के लिए जन–जागरूकता के साथ–साथ सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों, प्रदर्शनी, जन–जागरूकता गतिविधियों एवं विभागीय समन्वय को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि 'नदी की बात–जन–जन के साथ' अभियान को जनपद में नदी एवं जल संरक्षण के लिए एक प्रभावी जन–जागरूकता एवं जनभागीदारी अभियान के रूप में विकसित किया जाए, ताकि जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति लोगों में स्वामित्व एवं दायित्व की भावना मजबूत हो सके।बैठक में पीडी डीआरडीए सच्चिदानंद, डीपीआरओ कुमार अमरेंद्र, डीआईओ डॉ. पंकज कुमार, बीएसए राजीव पाठक, एसीएमओ डॉ. अजीज, डायट प्रवक्ता अजय, प्रभारी डीएफओ नवीन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद में निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों के नियमानुसार संचालन को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर निगरानी एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोशल मीडिया पर चक्रपानपुर स्थित 'इंडियन पैथोलॉजी' से संबंधित वीडियो प्रसारित होने का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा तत्काल जांच एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।सीएमओ के निर्देश के अनुपालन में डिप्टी सीएमओध्नोडल अधिकारी (निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान) डॉ. मोहन लाल के नेतृत्व में सहायक धीरेन्द्र शुक्ल की टीम द्वारा उक्त प्रतिष्ठान का मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के संचालन से संबंधित वैध पंजीकरणध्अनुमति एवं आवश्यक अभिलेख मांगे गए, जिन्हें मौके पर प्रस्तुत नहीं किया जा सका।प्रचलित विधिक प्रावधानों एवं विभागीय निर्देशों के अनुरूप आवश्यक अभिलेख एवं वैध पंजीकरण के अभाव में प्रतिष्ठान का संचालन किये जाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा तत्काल प्रभाव से प्रतिष्ठान को सील करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान का संचालन संबंधित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित पंजीकरण, अनुमति एवं मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किए बिना नहीं किया जा सकता। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकध्प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में संचालित निजी पैथोलॉजी केंद्रों, क्लीनिकों एवं अन्य निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों की नियमानुसार जांच जारी रखी जाए तथा जहां भी पंजीकरण, अनुमति अथवा निर्धारित मानकों के संबंध में अनियमितता पाई जाए, वहां प्रचलित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सीएमओ डॉ वर्मा ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों में किसी भी प्रकार की नियमविरुद्ध गतिविधि अथवा बिना वैध अनुमति चिकित्सा सेवाओं का संचालन स्वीकार्य नहीं होगा। विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई में नियमानुसार जांच, अभिलेखों का सत्यापन तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विधिक प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

पत्रकार पुरम का मार्ग बदहाल, जलभराव से बढ़ी लोगों की परेशानी

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के नगर पालिका परिषद बिलरियागंज के शिवनगर स्थित पत्रकार पुरम में आने–जाने वाला मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर लंबे समय से पानी जमा होने के कारण जहां आवागमन मुश्किल हो गया है, वहीं जलभराव के चलते मार्ग की स्थिति भी लगातार खराब होती जा रही है। स्थानीय लोगों में इसे लेकर नाराजगी है।

स्थानीय निवासी प्रमोद, मोती, किशन पटवा, दुर्गा गुप्ता, प्रदीप यादव, श्रीराम यादव, प्रिंस गुप्ता, आदित्य, अनिल यादव व संदीप आदि ने बताया कि सड़क की मरम्मत और जलनिकासी की व्यवस्था के लिए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, चेयरमैन प्रतिनिधि कोमल पासवान और वरिष्ठ लिपिक विजय यादव से कई बार मौखिक शिकायत की जा चुकी है। लोगों के अनुसार नगर पालिका की ओर से बताया गया है कि मार्ग के निर्माण की फाइल मुख्यमंत्री सृजन योजना के तहत भेजी गई है और स्वीकृति मिलने के बाद कार्य कराया जाएगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग की तत्काल मरम्मत की जरूरत है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका आरोप है कि जरूरत वाले स्थानों पर कार्य लंबित है, जबकि अन्य जगहों पर निर्माण कार्य जारी है।वहीं, बिलरियागंज के इंडियन बैंक से रौनापार जाने वाले बाईपास मार्ग की स्थिति भी खराब बताई जा रही है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे होने से राहगीरों को परेशानी हो रही है। इस मार्ग पर कई विद्यालय और कॉलेज होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं सहित अन्य लोगों का आवागमन होता है।स्थानीय नागरिकों ने नगरपालिका प्रशासन से पत्रकार पुरम मार्ग पर जलनिकासी की व्यवस्था कराकर सड़क की मरम्मत कराने तथा इंडियन बैंक–रौनापार बाईपास मार्ग को भी शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की है।

आजमगढ़-वाराणसी हाईवे पर हादसा, तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

आजमगढ़ (आर एन एस) गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर में आजमगढ़–वाराणसी हाईवे पर रँग साइट से तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार मुजफ्फरपुर से बिंद्रा बाजार जा रहे हैं युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कर पलट गई और मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहम्मदपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, बिंद्रा बाजार स्थित वर्मा ढाबे के पास तेज रफ्तार कार ने मुजफ्फरपुर निवासी जीशान पुत्र सुहेल को टक्कर मार दी। हादसे में जीशान गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, कार चालक भी दुर्घटना में घायल बताया जा रहा है। उसे भी सीएचसी मोहम्मदपुर में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किए जाने की जानकारी है।स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना के बाद कार में शराब और गांजे की चिलम दिखाई दी। लोगों ने चालक के नशे में होने की आशंका जताई है। इस घटना से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हालांकि, चालक के नशे में होने की आधिकारिक पुष्टि पुलिस या संबंधित जांच एजेंसी की रिपोर्ट के आधार पर ही हो सकेगी।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों और वाहन

चालक की स्थिति को लेकर पुलिस की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।ग्रामीणों के दस्तावेज अपने पस रखने का आरोपपुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सहज जन सेवा केंद्र के संचालन के दौरान वह ग्रामीणों की बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज अपने पास रख लेता था। आरोप है कि इन्हीं दस्तावेजों का इस्तेमाल कर वह संबंधित बैंक खातों से रकम ट्रांसफर या निकालता था। पुलिस ने यह भी बताया कि ग्राम प्रधान की मुहर का कथित दुरुपयोग कर कूटरचित प्रमाण पत्र तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है।पुलिस अब बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की तकनीकी व फॉरेंसिक जांच करा रही है। संबंधित बैंक खातों और लेन–देन की भी विस्तृत जांच की जा रही है।मोटरसाइकिल भी सीज पुलिस के अनुसार, आरोपी जिस भ्ट क्मसनग्म मोटरसाइकिल से जा रहा था, उसके कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वाहन को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया। आरोपी को 20 सितंबर की रात 9रू10 बजे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक रवि प्रकाश गौतम, रहे।

गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित, 28 सितंबर तक भेजे प्रस्ताव

आजमगढ़(आर एन एस)उत्तर प्रदेश शासन, राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी पत्र के क्रम में वर्ष 2026–27 के लिए गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु प्रस्तावध्आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।प्रदेश सरकार द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट एवं पूर्णतः समर्पित रूप से कार्य करने वाले प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से गुरु गोविन्द सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार स्वरूप रू01 लाख की नगद धनराशि एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है।पुरस्कार की अर्हताएं निम्नवत निर्धारित की गई हैंरू–भारत का मूल नागरिक हो।,उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने वाले वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो।,मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो। गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो।शासन के निर्देशानुसार ऐसे पात्र महानुभावों के प्रस्ताव, उनके द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों का तथ्यात्मक विवरण, अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ निर्धारित प्रारूप में स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति सहित प्रत्येक दशा में 28 सितम्बर, 2026 तक चार प्रतियों में जिला सूचना कार्यालय कलेक्ट्रेट में उपलब्ध कराए।इस सम्बन्ध में जनपद के इच्छुक व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदनध नामांकन समस्त अभिलेखीय साक्ष्यों सहित निर्धारित तिथि से पूर्व उपलब्ध करा सकते हैं।

50 हजार रुपये का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के बिलरियागंज थाना पुलिस ने सोमवार सुबह सियरहा अंडरपास के पास घेराबंदी कर 50 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया अभियुक्त रब्बानी पुत्र फिरोज, अयूब नगर कस्बा बिलरियागंज का निवासी है। पुलिस के अनुसार वह महाराष्ट्र–मुंबई से वापस आने के बाद कंधरापुर की ओर जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था।सएसपी डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम जैगहा चौराहा व आसपास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि गैंगस्टर अभियुक्त सियरहा अंडरपास के पास मौजूद है। पुलिस ने कंधरापुर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी की तो आरोपी भागने लगा, जिसे पुलिस ने आवश्यक बल प्रयोग कर पकड़ लिया। गिरफ्तारी सुबह करीब 6रू46 बजे की गई।पुलिस के मुताबिक रब्बानी अपने साथियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। बिलरियागंज थाने में मोबाइल चोरी से संबंधित तीन मुकदमों में उसके गिरोह के सदस्यों से छह चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए थे। इसी आपराधिक गतिविधियों के आधार पर 26 मई 2026 को गैंग चार्ट अनुमोदित होने के बाद गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। ब्बानी की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी आजमगढ़ ने 5 सितंबर को 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया था। बाद में डीआईजी आजमगढ़ परिक्षेत्र के आदेश पर 16 सितंबर को पुरस्कार राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी गई।पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ चोरी, माल बरामदगी, आबकारी अधिनियम, आयुध अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत सात मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक अक्षयदीप सिंह सहित बिलरियागंज थाने की पुलिस टीम शामिल रही।

ग्रामीणों के बैंक खातों से धोखाधड़ी कर रकम निकालने का आरोप, जनसेवा केंद्र संचालक गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में ग्रामीणों के बैंक खातों से कथित रूप से धोखाधड़ी कर रकम निकालने के मामले में साइबर सेल और थाना मेहनाजपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 15,630 रुपये नकद, 18 एटीएमध्क्रेडिट कार्ड, 13 बैंक पासबुक, चार आधार कार्ड समेत बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनिल कुमार (36) पुत्र सरभू राम, निवासी जमुनीपुर, थाना मेहनाजपुर, आजमगढ़ के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना मेहनाजपुर में मुकदमा अपराध संख्या 83ध्2026 के तहत बीएनएस की धारा 316(2), 336(3), 341(1), 317(2) और आईटी एक्ट की धारा 66(ब) में मुकदमा दर्ज है।पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर को साइबर सेल को सहज जन सेवा केंद्र संचालक अनिल कुमार के खिलाफ ग्रामीणों के साथ साइबर फ्रॉड और बैंक खातों से धोखाधड़ी कर रकम निकालने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया गया। इसके बाद साइबर सेल और मेहनाजपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर उसे मोटरसाइकिल से घर की ओर जाते समय पकड़ लिया।तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से 15,630 रुपये नकद, एक भ्च लैपटॉप, दो माइक्रो एटीएम मशीन, एक बायोमैट्रिक मशीन, एक न्ठ ळचै रिसीवर, तीन मोबाइल फोन, 18 एटीएमध्क्रेडिट कार्ड, 13 बैंक पासबुक और चार आधार कार्ड बरामद किए। इसके अलावा एक कूटरचित प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत चाकीडीह के ग्राम प्रधान की मुहर तथा मुहर लगे तीन हस्ताक्षरित सादे कागज भी बरामद होने की बात पुलिस ने कही है।

छह साल बाद मुंबई से आजमगढ़ लौटी अपहृता बरामद

आजमगढ(आर एन एस) जनपद के बिलरियागंज थाना अंतर्गत करीब छह साल पहले लापता हुई युवती को पुलिस ने सोमवार को कस्बा बिलरियागंज से बरामद कर लिया। युवती के परिजनों को सूचना देकर पुलिस ने अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 2019 में बरोही फतेहपुर निवासी स्वेता उर्फ बिट्टू घर से बिलरियागंज स्थित स्कूल पढ़ने के लिए निकली थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद उसकी मां की तहरीर पर बिलरियागंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 213ध्21, धारा 366, 504 व 507 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

ड्राइवर सुरक्षा कानून और वेलफेयर बोर्ड की मांग

आजमगढ़(आर एन एस) अखंड भारत ड्राइवर मजदूर कल्याण संघ ने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत सरकार को ज्ञापन भेजकर देश के ड्राइवरों के सामाजिक और आर्थिक संरक्षण की मांग की है। संघ ने प्रमुख रूप से ड्राइवर सुरक्षा कानून, राष्ट्रीय ड्राइवर आयोग तथा ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड के शीघ्र गठन की अपील की है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक परिवहन और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में ड्राइवरों का योगदान रीढ़ की हड्डी के समान है। इसके बावजूद वे असुरक्षित परिस्थितियों, दुर्घटना के खतरों, सामाजिक सुरक्षा के अभाव और अनिश्चित भविष्य के बीच काम करने को मजबूर हैं। चेतावनी देते हुए अजय कुमार यादव ने कहा कि यदि सरकारे दीपावली से पूर्व इन जायज मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती है, तो 12 नवंबर 2026 से पूरे देश में स्टीयरिंग छोड़ अभियान चलाकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान राहुल यादव, सोनू कुमार, मनोज प्रजापति, उमाशंकर, लक्ष्मण यादव, रविकांत और देवेन्द्र यादव सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं से जोड़ना, कोई भी पात्र लाभार्थी न रहे वंचित

आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जन–जागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से आयोजन कराया जा रहा है। अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं सामाजिक सरोकारों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ ही पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के लिए विभिन्न जन–जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।इसी क्रम में 2026 को अतरौलिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आमजन को रोचक, सरल एवं प्रभावी तरीके से जनकल्याण, सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी तथा शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

सरल संवाद और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं की दी गई जानकारी

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया के संबंध में सहज भाषा में जानकारी दी। प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पात्र व्यक्ति संबंधित विभागों से संपर्क कर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें तथा अपने आसपास के पात्र व्यक्तियों को भी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित कराने में सहयोग करें।सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने, सामाजिक सहभागिता बढ़ाने तथा नागरिकों को अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा, सहयोग, सामाजिक जिम्मेदारी और जनहित के मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।आमजन ने उत्साहपूर्वक किया सहभागिता

आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दिए गए संदेशों को आमजन ने रुचि के साथ सुना और देखा। स्थानीय लोगों ने जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जनहितकारी संदेशों को सरल एवं रोचक तरीके से लोगों तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों को उपयोगी बताया।

'कोई पात्र लाभार्थी न रहे वंचित' के उद्देश्य से व्यापक जन-जागरूकता

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनपद में सेवा, जागरूकता, जनभागीदारी एवं जनकल्याण की भावना को और मजबूत किया जा रहा है। विभिन्न विभागों द्वारा शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।अभियान का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र लाभार्थी जानकारी या जागरूकता के अभाव में योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता गतिविधियों एवं अन्य जनसंपर्क माध्यमों के जरिए योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाई जा रही है।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ये सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जन–जागरूकता को जनभागीदारी से जोड़ने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ को पात्र लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में पेंशन अदालत सम्पन्न

आजमगढ़ (आर एन एस)मण्डलायुक्त विवेक की अध्यक्षता में मण्डल के जनपदों में लम्बित पेंशन प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में सोमवार को आयुक्त सभागार में पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। उक्त पेंशन अदालत में कुल 6 प्रकरण प्रस्तुत हुए, जिसमें जनपद आजमगढ़ के तीन, बलिया का एक एवं मऊ के दो प्रकरण सम्मिलित थे। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि पेंशन सम्बन्धी समस्त प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाय, किसी भी सेवानिवृत्त कार्मिक का पेंशन प्रकरण अनावश्यक रूप से लम्बित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत पेंशन मामलों में जो भी कार्यवाही अपेक्षित है उसे सम्बन्धित अधिकारी तत्काल पूर्ण कराते हुए पेंशन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। पेंशन अदालत में प्रस्तुत जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ के कार्यालय से वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त कर्मचारी का प्रकरण लम्बित पाया गया। उक्त के सम्बन्ध में जिला कार्यक्रम अधिकारी मऊ ने अवगत कराया कि उनके द्वारा विगत माह में जनपद मऊ में कार्यभार ग्रहण किया गया है तथा प्रकरण संज्ञान में आने पर अपेक्षित कार्यवाही की जा रही है। मण्डलायुक्त विवेक ने पेंशन प्रकरण काफी अधिक समय से लम्बित रहने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि प्रकरण लम्बित रहने के सम्बन्ध में जिन–जिन अधिकारियों के स्तर से लापरवाही हुई है उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को संस्तुति प्रेषित की जाय। उन्होने जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ को इस सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ के कार्यालय के एक अन्य लम्बित मामले का तत्काल निस्तारण कराये जाने हेतु उन्होंने निर्देशित किया। जिलाधिकारी कार्यालय आजमगढ़ के एक मृतक कार्मिक के परिवार को मिलने वाले पारिवारिक पेंशन के सम्बन्ध में पेंशनर के पुत्र श्रवण कुमार द्वारा कम पेंशन भुगतान होना बताया गया, जिस पर मुख्य कोषाधिकारी, आजमगढ़ अनुराग कुमार श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया

जिला सलाहकार समिति की बैठक में क्विज के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक सहभागिता पर जोर

आजमगढ़, (आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का समन्वय मेरा युवा भारत, आजमगढ़ के जिला युवा अधिकारी कार्यालय द्वारा सदस्य सचिव के रूप में किया गया। बैठक में विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 के अंतर्गत आयोजित विकसित भारत क्विज में अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 के अंतर्गत आयोजित क्विज युवाओं को विकसित भारत/2047 के संकल्प से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से युवाओं में ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने स्तर पर क्विज का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें तथा पात्र युवाओं को इसमें प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों सहित अन्य युवा केंद्रित संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं तक क्विज की जानकारी पहुंचाई जाए।बैठक में बताया गया कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 क्विज में प्रतिभाग कर सकते हैं।

एशियन गेम्स 2026 भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन, एकतरफा मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा

नागोया ,। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन जारी है। पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 19–0 से रौंदने के बाद टीम ने दूसरे मैच में इंडोनेशिया को 17–1 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में भारतीय टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के डिफेंस की धज्जियां उड़ा डालीं। भारतीय टीम मैच में शुरुआत से ही हावी नजर आई। टीम ने इंडोनेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और एक के बाद एक गोल दागे। भारत की तरफ से दीपिका, ऋतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोलों की अपनी हैट्रिक पूरी की। वहीं, सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी दो–दो गोल दागते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान सलीमा टेटे और इशिका ने भी एक–एक गोल किया। शुरुआती दो क्वार्टर में भारत का पूरी तरह से दबदबा रहा। पहले हाफ में ही भारत ने 9–0 की बड़ी बढ़त हासिल की। इंडोनेशिया की तरफ से एकमात्र गोल तीसरे क्वार्टर में इन्नेस आदित्य ने किया। इस इकलौते गोल के अलावा इंडोनेशिया एक बार भी भारत के डिफेंस को भेदने के करीब तक नहीं पहुंच सका। पहले क्वार्टर में भारत ने कुल 4 गोल किए। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में टीम ने अपने इसी प्रदर्शन को दोराया और 5 गोल करने में सफलता हासिल की। मैच के तीसरे क्वार्टर में इंडोनेशिया द्वारा किए गए एक गोल के मुकाबले भारत ने 5 गोल दागे। वहीं, मुकाबले के चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम ने तीन गोल करते हुए मैच को 17–1 से अपने नाम किया। इस मुकाबले में 3 गोल करने वालीं दीपिका का प्रदर्शन उज्बेकिस्तान के खिलाफ भी शानदार रहा था और उन्होंने 8 गोल किए थे। वह दो मैचों में अब तक कुल 11 गोल कर चुकी हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पूल बी में पहला स्थान हासिल कर लिया है। टीम अपने इसी प्रदर्शन को आने वाले मुकाबलों में भी बरकरार रखना चाहेगी।

एशियन गेम्स 2026 भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया ,। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49–23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31–9 की बड़ी बढ़त के साथ किया।

हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही।

अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

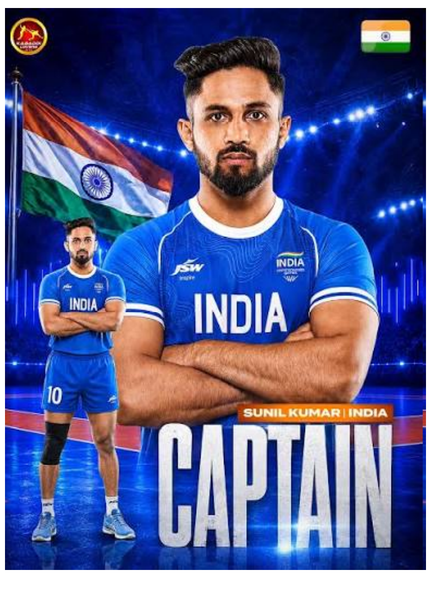

एमएलएस 2-2 से ड्रा रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी ।एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2–2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1–1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री–किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि ा एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

मेसी के इस गोल ने गोल्डन बूट की रेस में उनकी बढ़त को और मजबूत कर दिया हैय उनके नाम लीग में सबसे ज्यादा 33 गोल योगदान (गोल. असिस्ट) हैं और वह एमएलएस में गोल (20) और असिस्ट (13) के मामले में सबसे आगे हैं। हाफ टाइम तक स्कोर 1–1 रहा, जिसके बाद दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने जीत हासिल करने के लिए लगातार 45 मिनट तक हमले जारी रखे।

मेजबान टीम की कोशिशों का फल उन्हें 74वें मिनट में मिला। डी पॉल ने बॉक्स के दाईं ओर सुआरेज को एक सटीक पास दिया, जहां उरुग्वे के दिग्गज फॉरवर्ड ने अपने दाहिने पैर से पहला शॉट लेते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में सुआरेज का 13वां गोल था, जबकि इस असिस्ट के साथ डी पॉल के असिस्ट की संख्या 12 हो गई।

सैन डिएगो ने 82वें मिनट में एक बार फिर स्कोर को 2–2 से बराबर कर दिया। मैच के आखिरी पलों में इंटर मियामी को हमले के कई मौके मिले, लेकिन 90वें मिनट में मैच के आखिरी प्ले के दौरान गोलकीपर सेंट क्लेयर ने सैन डिएगो के कीरन सार्जेंट के शॉट को रोककर टीम की हार को टाला। इसके बाद इंटर मियामी अपने अगले एमएलएस मुकाबले के लिए 28 सितंबर को ओहायो के कोलंबस शहर जाएगी। वहां टीम का सामना स्कॉट्समिरेकल–ग्रो फील्ड में कोलंबस क्रू से होगा।

एशियन गेम्स 2026 सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, एमएमए में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी

नागोया ,। सुचिका तारियाल ने सोमवार को भारत के लिए इतिहास रच दिया। सुचिका एशियन गेम्स में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। सुचिका ने पारंपरिक 60 किलोग्राम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। सुचिका का ऐतिहासिक कैंपेन सेमीफाइनल में खत्म हो गया, जहां उन्हें सिंगापुर की हुई हून टीओ से एक करीबी हार मिली, जो ओवरटाइम तक चली। भारतीय खिलाड़ी बहुत कम अंतर से हारी, जिससे गोल्ड–मेडल मुकाबले तक पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं, लेकिन एमएमए के एशियन गेम्स डेब्यू में उन्होंने पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली। यह नतीजा सुचिका के लिए निराशाजनक रहा और फैसले की घोषणा के बाद वह निराश भी दिखाई दीं। हालांकि, निराशा के बावजूद, 36 साल की यह खिलाड़ी आइची–नागोया से एक ऐतिहासिक मेडल लेकर लौटीं, जो महाद्वीपीय स्टेज पर भारतीय एमएमए के लिए एक बड़ी कामयाबी है।

रविवार को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सुचिका ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ 2–0 से जीत हासिल की थी और एमएमए में एशियन गेम्स में मेडल पक्का करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं।

सुचिका तारियाल के करियर में यह ब्रॉन्ज मेडल एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में जुड़ गया है। कई कॉम्बैट खेलों में अपनी पहचान बना चुकीं सुचिका पहले राष्ट्रीय स्तर की जूडो खिलाड़ी रह चुकी हैं। उन्होंने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां वह ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले तक पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने एशियन गेम्स 2023 में कुराश स्पर्धा में भी हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने जिउ–जित्सु के टॉप लेवल पर खुद को स्थापित किया, और 2024 में जिउ–जित्सु फाइटिंग में वर्ल्ड टाइटल जीता।

सुचिका तारियाल ने एमएमए में अपना डेब्यू 2017 में किया था। उन्होंने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन इसके बाद करीब सात साल तक इस खेल से दूर रहीं। इस दौरान उन्होंने जूडो और जिउ–जित्सु पर ध्यान दिया और इन खेलों में अपनी तकनीक को और मजबूत बनाया।

इसके बाद में सुचिका ने एमएमए में वापसी की और फिर से प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनकी वापसी सफल रही और नवंबर 2024 में उन्होंने ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन के साथ कई मुकाबलों की डील साइन की। यह उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका दिया। घुटने की चोट जैसी चुनौतियों से उबरकर सुचिका तारियाल ने शानदार वापसी की। खेल के अलावा उन्हें लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो श्रोडीजश में भाग लेने की वजह से भी पहचान मिली, जिससे वह खेल जगत के बाहर भी लोगों के बीच चर्चित हुईं।मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स उन छह नए खेलों में शामिल है, जिनका आइची–नागोया एशियन गेम्स में पहली बार आयोजन किया गया। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टेकबॉल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी इस बार पहली बार एशियन गेम्स का हिस्सा बने हैं। हालांकि, सुचिका फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं, लेकिन उनका ब्रॉन्ज मेडल भारतीय एमएमए के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, रियल्टी और फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई ,। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ खुला। सुबह 9रू17 पर सेंसेक्स 440 अंक या 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,735 और निफ्टी 47 अंक या 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,393 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार की तेजी को सहारा रियल्टी और ऑटो शेयरों से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो टॉप गेनर्स थे। निफ्टी फार्मा, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस गेनर्स थे। निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी मीडिया लूजर्स थे।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 126 अंक या 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,064 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 10 अंक की मामूली तेजी के साथ 19,886 पर था।

सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, एलएंडटी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और टाइटन गेनर्स थे। इन्फोसिस, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल और टेक महिंद्रा लूजर्स थे।जानकारों के मुताबिक, दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल जोखिम बढ़ रहे हैं। मध्य पूर्व में टकराव और रूस–यूक्रेन युद्ध और तेज हो रहे हैं। हालांकि, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति बढ़ने की वजह से ब्रेंट क्रूड की कीमत 102 डॉलर से नीचे आ गई है। हालांकि, यूएस के 10–साल के बॉन्ड यील्ड 5 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, जिससे इक्विटी मार्केट के लिए खतरा पैदा हो रहा है। लेकिन विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत ग्रोथ और अच्छी कॉर्पोरेट कमाई की उम्मीदों के चलते इक्विटी मार्केट डटे हुए हैं। भारत में भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है।वैश्विक बाजारों में भी तेजी देखी जा रही है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और सोल हरे निशान में थे, जबकि जकार्ता लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को मिलाजुला बंद हुआ था, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट और नैस्डैक में 0.39 प्रतिशत की तेजी देखी गई।

लोबल चिप मार्केट 2026 में 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार जाने का अनुमान

सियोल । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के कारण 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार जाने का अनुमान है। यह इस साल की शुरुआत में लगाए गए अनुमान से 1.5 गुना से भी अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, यह अनुमान ऐसे समय में सामने आया है, जब एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग उठ रही है।

रिपोर्ट में बताया गया कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स के वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है।कोरिया एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर ने ट्रेंडफोर्स समेत वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है।पिछले साल तक अनुमान था कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 2030 में ही 1 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करेगा। लेकिन बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश तेजी से बढ़ाए जाने के कारण इस अनुमान को काफी बढ़ा दिया गया है।पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतें क्रमशरू 25 डॉलर और 30.5 डॉलर पर पहुंच गईं। एक साल पहले की तुलना में इनमें क्रमशरू 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी हुई है।रिपोर्ट के नवीनतम अनुमान के अनुसार, अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। हालांकि, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहने का अनुमान है और 2030 तक इसके करीब 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो, छह देशों के प्रतिनिधिमंडल होंगे शामिल

ग्रेटर नोएडा ,। उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, निर्माण और निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में आयोजित होने वाले चतुर्थ उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस –2026) की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले व्यापार मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाया जाए और देश–विदेश से आने वाले खरीदारों, निवेशकों, उद्यमियों तथा प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यूपीआईटीएस–2026 में इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस छह भागीदार देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। इन देशों की ओर से प्रीमियम फोयर पवेलियन, द्विपक्षीय कारोबारी सत्र और बी2बी बैठकों में भागीदारी की जाएगी। फियो और विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के समन्वय से 72 देशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के मेले में पहुंचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विदेशी खरीदारों और प्रदर्शकों के लिए उचित आवास की व्यवस्था करने, भाग लेने वाले देशों के उच्चायुक्तों के लिए लायजन ऑफिसर नियुक्त करने तथा प्रतिनिधियों की सहायता के लिए गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और तकनीकी विश्वविद्यालयों के छात्रों को तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ जोड़ने और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ अतिरिक्त संवाद सत्र आयोजित करने पर भी जोर दिया।

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए सीएम योगी ने यातायात, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तीनों प्राधिकरणों को आपसी समन्वय के साथ स्वच्छता, कानून–व्यवस्था और सुचारू यातायात बनाए रखने को कहा गया है। आयोजन स्थल को प्लास्टिक–मुक्त और व्यवस्थित रखने के साथ प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। सभी सरकारी विभागों को 23 सितंबर तक अपने स्टॉल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग, पोस्टर और दिशा–सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। नेटवर्क कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए अतिरिक्त टावर लगाने और विश्वसनीय इंटरनेट व वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टेलीकॉम कंपनियों से समन्वय किया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मुख्यमंत्री को यूपीआईटीएस–2026 के लिए तैयार यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। आयोजन स्थल तक आने–जाने वाले मार्गों की समीक्षा की गई है। प्रवेश और निकास द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। फ्रिस्किंग, भीड़ प्रबंधन और लगातार निगरानी की व्यवस्था भी की गई है।

आगंतुकों, प्रदर्शकों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए अलग–अलग पार्किंग व्यवस्था तथा मार्ग प्रबंधन पर भी काम किया गया है। आयोजन स्थल और पार्किंग क्षेत्रों के बीच आवागमन को आसान बनाने के लिए 500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) शटल बसें संचालित की जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों और वीवीआईपी मेहमानों की सहायता के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विशेष यूपीआईटीएस सुविधा काउंटर भी संचालित किया जा रहा है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 23 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

वीर पहाड़िया ने प्रेम कीटाणु के नए पोस्टर में लगाया मस्ती का तड़का, टीजर और गाने के बाद फिर बटोरी सुर्खियां

वीर पहाड़िया अपनी आगामी फिल्म प्रेम कीटाणु को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं और अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। रंगों से भरपूर और बेहद मजेदार अंदाज में जारी किए गए इस पोस्टर में वीर का चुलबुला और ऊर्जावान अवतार देखने को मिल रहा है, जो फिल्म के मनोरंजक और हल्के–फुल्के अंदाज की झलक दे रहा है।यह पोस्टर फिल्म के टीजर और हाल ही में रिलीज हुए गीत अंडी बंडी के बाद सामने आया है। जहां इस गीत में वीर की जबरदस्त एनर्जी और डांसिंग अंदाज देखने को मिला था, वहीं टीजर ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया और कहानी की एक दिलचस्प झलक दिखाई थी। गौरतलब है कि इन दोनों एसेट्स को दर्शकों से न सिर्फ अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, बल्कि इसने फिल्म को लेकर उत्साह को बढ़ा भी दिया है। ऐसे में अब इस नए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता को अगले पायदान पर चढ़ा दिया है और सभी की नजरें वीर पहाड़िया की तरफ टिक गई हैं। वैसे हर नए अपडेट के साथ प्रेम कीटाणु दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना रही है। फिल्म का यह नया पोस्टर भी उसी उत्साह को आगे बढ़ाते हुए इसके मजेदार और मनोरंजक पहलू को उजागर कर रहा है। इसी के साथ वीर पहाड़िया की अगली फिल्म को लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित हैं और अब इस नए पोस्टर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। जैसे–जैसे फिल्म से जुड़े नए खुलासे सामने आ रहे हैं, प्रेम कीटाणु को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ती जा रही है।

आलिया भट्ट की डोंट बी शाय का धमाकेदार गाना झूमो जारी, गाने में दिखा पार्टी का रंग

अभिनेत्री आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित फिल्म श्डोंट बी शायच् इन दिनों चर्चा में है। फिल्म का कुछ दिन पहले टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना श्झूमोच् जारी किया है, जो अपने जोशीले संगीत और पार्टी के माहौल के कारण दर्शकों का ध्यान खींच रहा है।

फिल्म में आरुषि बजाज, अंश दुग्गल, बियांका अरोड़ा और पीयूष खाती जैसे नए कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन श्रीति मुखर्जी ने किया है और इसकी पटकथा भी उन्होंने ही लिखी है। कहानी आज की पीढ़ी के चार युवाओं के इर्द–गिर्द बुनी गई है।

फिल्म के गाने श्झूमोच् का निर्माण टी–सीरीज ने किया है। राम संपत ने गीत का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल उन्होंने देवांश वैद्य के साथ मिलकर लिखे हैं। गाने को साहेल और जोनिता गांधी ने अपनी आवाज दी है।

तेज–तर्रार संगीत और उत्साह से भरपूर अंदाज वाला यह गीत युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाना जारी होने के बाद इसे यूट्यूब पर श्रोताओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के निर्माताओं को उम्मीद है कि यह गीत दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ाएगा।

श्डोंट बी शायच् की कहानी आज की पीढ़ी के चार युवाओं के इर्द–गिर्द घूमती है। फिल्म में नए कलाकारों को प्रमुख भूमिकाएं दी गई हैं, जिससे यह युवा दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन सकती है। टीजर के बाद अब गाने की रिलीज ने फिल्म को लेकर चर्चा और तेज कर दी है।

आलिया भट्ट के इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म युवा विषयवस्तु और नए कलाकारों के साथ तैयार की गई है। फिल्म 25 सितंबर 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित होगी। निर्माताओं ने फिल्म के प्रचार अभियान को गीतों और दृश्य सामग्री के जरिए आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है।

बाक्स आफिस पर हनुमान अंश की सुनामी, मिर्जापुर द मूवी ने 300 करोड़ के वैश्विक क्लब में बनाई जगह, मंदादी ने भी पकड़ी रफ्तार

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों कई फिल्मों के बीच कमाई को लेकर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। शहनुमान अंशच् सातवें सप्ताह में भी मजबूती से आगे बढ़ रही है। वहीं शमिर्जापुररू द मूवीच् और शमंदादीच् भी दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद हासिल कर रही हैं। शनिवार के कारोबार में शहनुमान अंशच् ने एक बार फिर अपनी बढ़त कायम रखी।

बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के मुताबिक, शहनुमान अंशच् ने प्रदर्शन के सातवें शनिवार को करीब 9.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म को शनिवार को 7,119 प्रदर्शन मिले और इसकी दर्शक उपस्थिति करीब 30 प्रतिशत रही। इसके साथ ही भारत में फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार बढ़कर 258.13 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म का घरेलू सकल कारोबार अब 304.80 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। दुनियाभर में फिल्म ने 329.30 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है, जबकि विदेशी बाजार से इसे करीब 24.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।फिल्म में नीम करौली बाबा की आध्यात्मिक यात्रा को कहानी का आधार बनाया गया है। इसका निर्देशन विशाल चतुर्वेदी ने किया है और शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं। शुरुआत में फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली थी, लेकिन बाद में दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और मौखिक प्रचार ने फिल्म की कमाई को गति दी।

शमिर्जापुररू द मूवीच् ने भी शनिवार को अच्छा कारोबार किया। फिल्म ने शनिवार को करीब 4.50 करोड़ रुपये कमाए। इसे 4,345 प्रदर्शन मिले और दर्शक उपस्थिति 23 प्रतिशत रही।

फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 210.70 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि घरेलू सकल कारोबार 250.94 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। दुनियाभर में फिल्म ने 302.19 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इस तरह फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 300 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश कर लिया है। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक और श्वेता त्रिपाठी सहित कई प्रमुख कलाकार नजर आए हैं।

दूसरी ओर, मंदादी ने शनिवार को 6.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म को 3,693 प्रदर्शन मिले और इसकी दर्शक उपस्थिति करीब 34 प्रतिशत रही। फिल्म ने तमिल भाषा में 5.70 करोड़ रुपये, जबकि तेलुगु भाषा में 85 लाख रुपये का कारोबार किया।

फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 67.55 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं इसका सकल कारोबार करीब 79 करोड़ रुपये बताया गया है।

शनिवार के कारोबार के आंकड़ों को देखें तो शहनुमान अंशच् इन फिल्मों से आगे रही, जबकि शमंदादीच् ने भी मजबूत दर्शक उपस्थिति के साथ अपनी पकड़ बनाए रखी। शमिर्जापुररू द मूवीच् वैश्विक स्तर पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर अपनी व्यावसायिक सफलता को और मजबूत कर चुकी है।

यश की टाक्सिक ने पेद्दी को पछाड़ा, बनी 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिकच् रिलीज से पहले काफी चर्चा में रही थी। हालांकि, सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के बाद फिल्म को समीक्षकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली और दर्शकों की नकारात्मक प्रतिक्रिया का असर इसके कारोबार पर भी दिखाई दिया। इसके बावजूद फिल्म ने एक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। शटॉक्सिकच् ने राम चरण की आगामी फिल्म शपेद्दीच् को पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2026 में सबसे अधिक कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म का दर्जा हासिल कर लिया है।

फिल्म की कमाई में हालांकि अब लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। शटॉक्सिकच् ने प्रदर्शन के 24वें दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर करीब छह लाख रुपये का कारोबार किया। 23वें दिन फिल्म ने 14 लाख रुपये कमाए थे। इस तरह 24वें दिन इसकी कमाई में पिछले दिन की तुलना में करीब 57.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

फिल्म के अब तक के कारोबार पर नजर डालें तो शटॉक्सिकच् ने पहले सप्ताह में 234.05 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे सप्ताह में फिल्म का कारोबार 8.94 करोड़ रुपये रहा, जबकि तीसरे सप्ताह में इसने 1.41 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 24वें दिन की छह लाख रुपये की कमाई के साथ फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस कारोबार बढ़कर 245.46 करोड़ रुपये पहुंच गया है।दुनियाभर में फिल्म के सकल कारोबार की बात करें तो शटॉक्सिकच् ने अब तक करीब 289.68 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस आंकड़े के साथ फिल्म ने 2026 में रिलीज हुई अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक कमाई करने वाली दक्षिण भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

हालांकि, फिल्म की लागत को देखते हुए इसका प्रदर्शन कमजोर माना जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक शटॉक्सिकच् का निर्माण करीब 500 करोड़ रुपये के भारी–भरकम बजट में किया गया है। ऐसे में घरेलू स्तर पर 245.46 करोड़ रुपये का कारोबार फिल्म की लागत के मुकाबले काफी कम है। नकारात्मक समीक्षाओं और दर्शकों की कमजोर प्रतिक्रिया के कारण फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

रिलीज से पहले शटॉक्सिकच् को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह था और यश की लोकप्रियता के कारण फिल्म से बड़े कारोबार की उम्मीद की जा रही थी। मगर प्रदर्शन के बाद मिली मिश्रित से नकारात्मक प्रतिक्रिया और कमजोर दर्शक समर्थन का असर इसकी कमाई पर पड़ा। इसके बावजूद कुल कारोबार के मामले में फिल्म ने 2026 की दक्षिण भारतीय फिल्मों के बीच एक नया आंकड़ा जरूर कायम कर दिया है।फिल्म के मौजूदा आंकड़ों से साफ है कि कमाई के कुल आंकड़े में रिकॉर्ड बनाने के बावजूद बड़े बजट की तुलना में इसकी व्यावसायिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। आने वाले दिनों में फिल्म की अंतिम कमाई यह तय करेगी कि यह अपने निर्माताओं के लिए कितनी आर्थिक सफलता हासिल कर पाती है।

पलक तिवारी के रायल एथनिक लुक ने मचाई सनसनी, आलिव ग्रीन आउटफिट में ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने कमाल के स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन सेंस से अक्सर फैंस को अपना दीवाना बनाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, और जब भी वह अपनी नई तस्वीरें पोस्ट करती हैं, तो वे देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं।

हाल ही में पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक बेहद शानदार और रॉयल फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और एथनिक लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।

तस्वीरों में पलक तिवारी ने ऑलिव ग्रीन और पेस्टल टोन का आउटफिट पहना हुआ है। इस ड्रेस का टॉप पार्ट यानी चोली एरिया बेहद खास है। चोली पर जटिल और बारीक मल्टीकलर रेशम की कढ़ाई, सीक्विन और मिरर वर्क किया गया है, जो इसमें एक हेरिटेज लुक जोड़ता है।आउटफिट की स्कर्ट में ट्रेडिशनल बनारसी प्रिंट्स, जिग–जैग पैटर्न और गोटा पट्टी का बारीक काम देखा जा सकता है। ड्रेस की डीप यू–शेप नेकलाइन पलक के इस पारंपरिक पहनावे में बोल्ड और मॉडर्न टच जोड़ रही है। यह एथनिक और कंटेंपरेरी फैशन का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

लुक को कम्पलीट करने के लिए पलक ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है। मिडिल पार्टेड हेयर स्टाइल के साथ बालों में हल्का रेडिश–ब्राउन हाईलाइट्स का टच उनके चेहरे के फीचर्स को बखूबी उभार रहा है।

मेकअप की बात करें तो पलक का ग्लोइंग और न्यूड मेकअप लुक उन पर बेहद फब रहा है। सॉफ्ट स्मोकी आईज, डिफाइंड आइब्रो, फ्लॉलेस बेस, पिंक ब्लश और न्यूड ग्लॉसी लिपस्टिक उनके चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं।

तस्वीरों में पलक तिवारी का आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। कभी वह दीवार का सहारा लेकर रॉयल पोज दे रही हैं, तो कभी अपने हाथों को बालों पर रखकर कैमरे की ओर कातिलाना नजरों से देख रही हैं।

निविन पॉली की बेथलहम कुडुम्बा यूनिट ने रचा इतिहास, 90 लाख से अधिक दर्शकों ने सिनेमाघरों में देखी फिल्म

निविन पॉली और मामिता बैजू अभिनीत मलयालम फिल्म बेथलहम कुडुम्बा यूनिट ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। गिरीश एडी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने केरल में दर्शकों की संख्या के मामले में वर्ष 2000 के बाद की सभी मलयालम फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म को अब तक 90 लाख से अधिक दर्शकों द्वारा देखे जाने का दावा किया जा रहा है।

दर्शकों की संख्या के मामले में फिल्म ने मलयालम सिनेमा की चर्चित फिल्मों शनरसिम्हमच् और शपुलिमुरुगनच् के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। शनरसिम्हमच् को केरल में करीब 78 लाख दर्शकों ने देखा था, जबकि शपुलिमुरुगनच् के दर्शकों की संख्या 75 लाख से अधिक बताई जाती है। शबेथलहम कुडुम्बा यूनिटच् ने इन दोनों फिल्मों के आंकड़ों को पार करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। रिलीज के महज 24 दिनों में फिल्म ने 300 करोड़ रुपये के सकल कारोबार का आंकड़ा पार कर लिया था। इसके साथ ही फिल्म ने मलयालम सिनेमा की बड़ी व्यावसायिक सफलताओं में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार अब 310 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। इससे पहले लोकाह चौप्टर 1 – चंद्र ने दुनिया भर में 302 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। शबेथलहम कुडुम्बा यूनिटच् ने अब उस आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म की कमाई अभी जारी है और आने वाले दिनों में इसके कारोबार में और बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। दर्शकों की संख्या के साथ–साथ फिल्म ने अपने घरेलू बाजार केरल में कमाई के मामले में भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म ने राज्य में करीब 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है और यह केरल में सबसे अधिक कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है। इससे पहले शवाझा 2च् ने केरल में करीब 130 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। हालांकि, शवाझा 2च् का दुनिया भर का कारोबार करीब 235 करोड़ रुपये रहा था। शबेथलहम कुडुम्बा यूनिटच् ने केरल के साथ–साथ वैश्विक स्तर पर भी कारोबार के नए आंकड़े स्थापित किए हैं। बेथलहम कुडुम्बा यूनिटच् की सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह मुख्य रूप से एक रोमांटिक मनोरंजक फिल्म है। केरल जैसे मजबूत मलयालम फिल्म बाजार में किसी फिल्म का 90 लाख से अधिक दर्शकों तक पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। फिल्म के मलयालम संस्करण को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। वहीं, इसके तमिल और तेलुगु में प्रदर्शित किए गए संस्करणों का सिनेमाघरों में कुल कारोबार में अपेक्षाकृत सीमित योगदान रहा है। इसके बावजूद मूल मलयालम संस्करण की मजबूत पकड़ ने फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता दिलाई है।

निविन पॉली और मामिता बैजू की जोड़ी वाली इस फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई ने इसे मौजूदा दौर में मलयालम सिनेमा की सबसे चर्चित व्यावसायिक सफलताओं में शामिल कर दिया है। फिल्म की दर्शक संख्या और दुनिया भर की कमाई में लगातार हो रही वृद्धि पर अब उद्योग की नजर बनी हुई है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।